साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 | अंक 50 | प्रति सोमवार इंदौर, 15 जुलाई से 21 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

अमेरिका में ट्रंप पर गोली, नव. 24 के चुनाव में जीत की गारंटी

विश्व को हथियार बेंच हिंसक कमाई, बन सकती है मौत का कारण

विश्व के सारे तांडवो युद्ध व शांति में भी युद्ध, महामारी, इंटरनेट से विश्व को नियंत्रित, जासूसी करने, सोशल साइट्स से विचार जानने, इकट्ठे करने, ऑनलाइन डकैती, चिकित्सा, भोजन आदि पर अमेरिकी षड़यंत्रकारी संगठनों और कंपनियों का कब्जा कभी ये सब मौत व बर्बादी का भी कारण बनेगा, होगा।

अमेरिका के पेनसिल्वानिया में चुनावी प्रचार करते समय ट्रंप पर गोली चला दी गई। न केवल अमेरिका में गन कल्चर को बढ़ावा दे का हर वर्ष हजारों निर्दोषों की हत्या की जाती है। वरन पूरी दुनिया में भी युद्धों को बढ़ावा देकर हथियार बैंच मोटी कमाई करने वालों से चंदा लेकर चुनाव लड़ने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति सांसदों को भी इसका शिकार होना पड़ेगा। बेशक इसके पूर्व रोनाल्डो रीजन पर भी 1981 में गोली चलाई गई थी।

ट्रम्प की हत्या की कोशिशः हम क्या जानते हैं?

पेनसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रम्प की चुनावी रैली में क्या हुआ? एफबीआई ने हत्या के प्रयास के संदिग्ध के रूप में किसे पहचाना है?

हत्या के प्रयास के रूप में जांच के तहत एक गोलीबारी की घटना में, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक अभियान रैली के दौरान कान में गोली मार दी गई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस, जो पूर्व राष्ट्रपतियों को आजीवन सुरक्षा प्रदान करती है, ने कहा कि संदिग्ध हमलावर के मारे जाने के दौरान ट्रम्प सुरक्षित थे। यह हमला 1981 में रोनाल्ड रीगन की हत्या के बाद से किसी राष्ट्रपति या राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या का पहला प्रयास है। 5 नवंबर के चुनाव से चार महीने से भी कम समय पहले और ट्रम्प द्वारा राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ संभावित रीमैच के लिए तीसरी बार रिपब्लिकन नामांकन स्वीकार करने से कुछ ही दिन पहले हुई इस घटना का राष्ट्रपति पद की दौड़ और घरेलू राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

गोलीबारी की घटना कैसे घटी?

13 जुलाई की शाम को, बटलर में मंच पर ट्रम्प के आने और अपना भाषण शुरू करने के कुछ ही मिनट बाद, जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अवैध सीमा पार करने में वृद्धि के बारे में बात कर रहे थे, तब कम से कम पाँच गोलियाँ चलीं। घटना के एक वीडियो में, ट्रम्प को पोडियम के पीछे अपना दाहिना कान पकड़ते हुए देखा जा सकता है, इससे पहले कि सीक्रेट सर्विस के एजेंट उनकी ओर दौड़े और उन्हें ढक दें। जब ट्रम्प ज़मीन पर गिरे, तो एजेंटों ने कहा, 'नीचे उतर जाओ', क्योंकि गोलियों की आवाज़ से अफरा-तफरी मच गई।

एक मिनट बाद, वह खून से लथपथ चेहरे के साथ बाहर आया। उसने विरोध जताते हुए हवा में अपनी मुट्ठी बांधी और 'लड़ो! लड़ो! लड़ो!' शब्द बोले, इससे पहले कि सीक्रेट सर्विस उसे एक काली एसयूवी में ले जाए।

अब तक की कहानीः हत्या के प्रयास के रूप में जांच के तहत एक गोलीबारी की घटना में, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक अभियान रैली के दौरान कान में गोली मार दी गई थी , जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस, जो पूर्व राष्ट्रपतियों को आजीवन सुरक्षा प्रदान करती है, ने कहा कि संदिग्ध हमलावर के मारे जाने के दौरान ट्रम्प सुरक्षित थे।

यह हमला 1981 में रोनाल्ड रीगन की हत्या के बाद से किसी राष्ट्रपति या राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या का पहला प्रयास है। 5 नवंबर के चुनाव से चार महीने से भी कम समय पहले और ट्रम्प द्वारा राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ संभावित रीमैच के लिए तीसरी बार रिपब्लिकन नामांकन स्वीकार करने से कुछ ही दिन पहले हुई इस घटना का राष्ट्रपति पद की दौड़ और घरेलू राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है।

गोलीबारी की घटना कैसे घटी?

13 जुलाई की शाम को, बटलर में मंच पर ट्रम्प के आने और अपना भाषण शुरू करने के कुछ ही मिनट बाद, जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अवैध सीमा पार करने में वृद्धि के बारे में बात कर रहे थे, तब कम से कम पाँच गोलियाँ चलीं। घटना के एक वीडियो में, ट्रम्प को पोडियम के पीछे अपना दाहिना कान पकड़ते हुए देखा जा सकता है, इससे पहले कि सीक्रेट सर्विस के एजेंट उनकी ओर दौड़े और उन्हें ढक दें।

(शेष पेज 7 पर)

इंदौर में 51 लाख व देश में 5 करोड़ वृक्षारोपण में 7 अरब के विज्ञापन समाचार पत्रों टीवी चैनलों पर

भू कॉलोनी भाजपाई माफिया ही वृक्षों व हरियाली के घोर शत्रु

पिछले 10 सालों में ही मोदी ने ही मंत्रियों, पूंजीपतियों, सड़कों, रेल्वे लाइन के नाम देश भर में 20% लगभग 50 करोड़ वृक्षों का सफाया किया। प्रदेश में 50% वन भूमि और हरियाली साफ की गई। देश में मोदी के सत्ता संभालने के बाद प्राकृतिक संसाधनों की सबसे ज्यादा बर्बादी की गई। सबको अपने बाप की जागीर समझ अडानी, टाटा, बिरला, अंबानी, आइटीसी, युनिलीवर व अन्य सैकड़ों पूंजीपतियों को उद्योगों, रिजॉर्ट, होटल्स, गोडाउन्स, परियोजनाओं, सड़कों, रेलवे लाइन्स, हवाई अड्डों कालोनियों आदि के नाम करोड़ों हेक्टेयर भूमि पर लगे वनों के करोड़ों वृक्षों को साफ कर दिया गया। कश्मीर में 370 हटाने के नाम पर जो 370 बी के मात्र वहां कोई भी भू क्रय विक्रय के लिये हटाया

गया। बदले में जम्मू काश्मीर में जमीनों को अडानी अंबानी को होटल इंडस्ट्री रिजॉर्ट बांध बनाने के लिए दी गई। इसके दुष्परिणाम सामने हैं। वृक्षों की कटाई सफाई कर होटल रिसोर्ट इंडस्ट्री सड़के रेलवे लाइन बांध बनाने के चक्कर में वहां भारी भूस्खलन हो रहा है। नदियां ग्लेशियर जल संग्रहण क्षेत्र के नाले रास्ते बदल रहे हैं। जल बहुत क्षेत्र के बदलने सेबारिश का पानी को बहाने के लिए जहां कमजोर भूमि मिलती है वहीं से वह पहाड़ चट्टानें फोड़ कर बहता है। देश-विदेश के हजारों पर्यावरण विद्व संस्थाओं ने बार-बार प्राकृतिक वनों को नष्ट करने से रोका बताया चेताया। परंतु मूड डकैतों को तो लूट कट और अपनी सल्तनत खड़ी करने में ही आंतरिक आनंद की प्राप्ति हो रही है। इसलिए वह किसी की नहीं सुन रहे। यही हाल मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राजस्थान उत्तराखंड उत्तर प्रदेश उड़ीसा हिमाचल दिल्ली में प्राकृतिक वनों वृक्षों को उजाड़ कर मोटा कमीशन खा वन, कृषि भूमियों को पूंजीपतियों को सौप जा रहा है जो वर्तमान से लेकर आने वाली भविष्य की पीडिया के लिए अत्यधिक घातक सिद्ध होगा। दूसरी तरफ एक वृक्ष मां के नाम का पिछले महीने भर से अपना नाम, फोटो समाचार पत्रों में और टीवी चैनलों पर दिखाने और प्रशंसा पाने भारी भरकम 1500 से ज्यादा वस्तुओं पर ठोके गये जीएसटी के कमाये जनधन से हजारों करोड़ के विज्ञापन 5 करोड़ वृक्ष लगाने के लिए बर्बाद किये जा रहे हैं।

(शेष पेज 6 पर)

काश्मीर में नोटबंदी व 370 हटाने के बाद भी आतंकवाद और पलायन क्यों..?

मूढ़ मोदी ने वाचालता छल, बल, दल कपट से तीसरी बार सत्ता हथिया अवश्य ली। पर अहं ब्रह्मास्मि वोह कारण सत्ताधीशी परिपक्वता 74 साल की उम्र में भी नहीं आई।

दूसरी तरफ लोभ के चलते बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इशारे पर नाच पिछले 10 सालों में पूंजी पतियों के हितों में उनके अनुसार उनके लाभ के लिए निर्णय लिए जाते रहे। और मूर्खतापूर्ण हरकतें कर जनता को उसके लाभ बताने की आड़ में अपनी प्रशंसा करवाई जाती रहीजो की नाकामियों का पहाड़ बनकर सामने खड़ी हो गईं।

नोटबंदी जैसे विश्व के सर्वाधिक विनाशक किन्तु मोदी के निकृष्ट बुध्दि प्रियता के निर्णय ने काश्मीर में आतंकवाद व पृथकतावाद का पूरा सफ़ाया कर उसे दफन कर देने का झूठा सपना दिखाया था।

(शेष पेज 2 पर)

साप्ताहिक समय माया

काश्मीर में नोटबंदी व 370 हटाने के बाद भी आतंकवाद और पलायन क्यों..?

पेज 1 का शेष

और नक्सलवाद व माओवाद का सफ़ाया होने के सब्ज़बाज़ गढे गये थे क्योंकि नोटबंदी से इसी विराट परिणाम की गारण्टी पूरे देश को मोदी ने देते हुए कहा कि ऐसा न होना व कालेधन की कमर नहीं तोड़ने पर देश के हर चौराहे पर सजा पाने के लिए तैयार रहूँगा, यह मोदीजी की सबसे बड़ी गारण्टी थी। मगर नोटबंदी की अतीव घोर असफलता के बाद इस पर चुप्पी साध फिर अनुच्छेद 370 हटा कहा कि बस अब तो आतंकवाद की कमर तोड़ ही देंगे। पर बेचारा पूरे काश्मीर सहित वहाँ के सैकड़ों हिन्दू व मुस्लिम नागरिक मोदी की इसी गारण्टी का धोखा खाए आतंकवादियों के हाथों गोलियों से भूने जा रहे हैं। बेशक मीडिया वह सच जनता को नहीं दिखा बता रहा।

मोदी सरकार के सुरक्षा व विश्वास पर वहाँ छ मुस्लिम भाजपा के पार्षद बने मगर उन सबको उनके परिवार के साथ छलनी कर बेमौत मार दिया गया। मोदी सरकार की सुरक्षा का विश्वास कर एक हिन्दू ने काश्मीर में ज़मीन क्या खरीदी की बेचारे के तीन टुकड़े कर डाले. अनुच्छेद 370 हटाने के पुण्य प्रताप का ही कारण हैं कि सैकड़ों काश्मीरी पण्डित जिन्होंने सन् 90 की मारकाट के बावजूद पलायन नहीं किया, उनका भी टारगेट किलिंग हुआ.वहाँ रह रहे काश्मीर पण्डितों को जब वहाँ मोदी सरकार द्वारा हर एक को सुरक्षा की गारण्टी नहीं दे सकते का जवाब मिला तो उन्होंने धरने व प्रदर्शन किये और अंत में मोदीजी की सरकार की उपेक्षा से तंग आकर सभी ने कश्मीर छोड़ दिया. हज़ारों मज़दूरों, खेत मज़दूरों, दुकानदारों जो हिन्दू थे केवल वे ही नहीं तमाम हिन्दू सरकारी कर्मचारियों तक ने काश्मीर से पलायन कर अपनी जान बचाई मगर दुर्भाग्य से मोदी सरकार की घोर अक्षमता व गुप्तचर एजेंसियों की अपूर्व असफलता के चलते पिछले तीन चार वर्षों से हर सप्ताह, हर पंद्रह दिन व महीने में कभी सात, कभी पाँच तो कभी तीन व दो फ़ौजी जवान व फ़ौज के बड़े अधिकारी आतंकवादियों से लड़ते शहीद हो रहे हैं,गोलियों से झलनी हो रहे हैं और मोदीजी कभी लाल किले से तो कभी संसद से बड़ी बड़ी फ़ैकते लफ़्फ़ाज़ी कर रहें कि मोदी सरकार ने आतंकवाद, नक्सलवाद व माओवाद खत्म कर दिया हैं। ऐसी झूठ की जुगाली तब भी की थी जब चुनाव जीतने पुलवामा में44 जवानों को स्वयं ही आरडीएक्स से उड़वा कार हत्या करवा दी। सुरक्षा देने की अपनी सरकार की अक्षम्य नाकामी को बड़ी चालाकी से छिपाकर पाकिस्तान में फर्जी एयर स्ट्राइक कर बड़ी लम्बी व ऊँची फैंकते देश को मूर्ख बनाते कह रहे थे कि हमने पाकिस्तान व आतंकवाद की ऐसी कमर तोड़ दी हैं कि वो अब खड़ा भी नहीं हो पाएगा.अब जबकि हर रोज़ पाकिस्तानी आतंकवाद काश्मीर में सर चढ़कर बोल रहा हैं, जवान, पुलिस,सरकारी व ग़ैर सरकारी लोग मारे जा रहें हैं तो कह रहे हैं कि यह नेहरू की देन हैं। जबकि हक़ीक़त में मोदी की इस नाजोगी सरकार की मूर्खता ही इसकी असली ज़िम्मेदार हैं.पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक आपने की,नोटबन्दी कर आतंकवाद के खात्मे के शिगूफ़े आपने छोड़े और अनुच्छेद 370 हटाकर आतंकवाद के खात्मे की लफ़्फ़ाज़ी आप करते रहे हो और जब आप पूरी तरह विफल व फिसड्डी बनकर रह गए तो नेहरू की चिताओं की राख से अपनी नाकामी व निकम्मेपन की कमजोरी को ढाँक रहे हो. यहाँ तीन बात ही समझ में आती हैं कि न आप अनुच्छेद 370 को हटानेकरने के काबिल हो,न काश्मीर की समस्याओं के निदान की आपको क़तई समझ हैं,न काश्मीर से निपटने का आपके पास कोई ब्ल्यू प्रिंट हैं. चतुराई, कूटनीति व कुशल निष्पादन से ही समस्याऐं निपटती हैं. भाषणों व झूठ की जुगाली से सिर्फ़ तिकड़म व नोटंकी ही की जा सकती हैं. हक़ीक़त तो यह हैं की इसी घोर नासमझी के चलते काश्मीर समस्या हर दिन अधिक संकट कारी हो रही हैं. अब तो अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध लद्दाख व जम्मू में अधिक हो रहा हैं. इसी के चलते लद्दाख के स्थानीय चुनाव व लोकसभा में भाजपा को लोगों ने जमकर हरा दिया हैं. पर अभी भी जागृत होने को तैयार नहीं हो और जब पहले ही भाषण में और राहुल गांधी ने जमकर छील दिया तो उसे बालक बुद्धि ठहराने का प्रयास किया और अपनी शाब्दिक कुटाई होने और वाचालता कि असफलताओं को छुपाने रूस और ऑस्ट्रीया भाग गए। समस्याएं खड़ी करो जनता का ध्यान परिवर्तित करो और जब चारों तरफ से फंस जाओ तो देश को जलता हुआ छोड़कर विदेश भाग जाओ भगोड़े कब तक कहां तक भागेगा?

महिला बाल विकास हजारों करोड़ खर्च, अधिकारियों कर्मियों का विकास

40% बच्चे महिलाएं कुपोषण का शिकार, कद, वजन, विकास न्यून

घोर भ्रष्ट मुमं, मंत्री, प्रधान सचिव, संयुक्त, सहायक संचालकों, जिला कार्यक्रम, सशक्तिकरण, समन्वयक, अधिकारियों, बाबुओं से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तक सबका विकास, भ्रष्टाचार के पोषण से फलता फूलता मध्यप्रदेश भीषण कुपोषण की चपेट में..

केन्द्र सरकार की एक रिपोर्ट के मुताबिक़ मध्यप्रदेश भीषण कुपोषण की चपेट में आ गया है। प्रदेश की आंगनबाड़ियों में पंजीकृत 6 वर्ष से कम उम्र के 66 लाख बच्चों में से 26 लाख यानि 40% बच्चे बौने पाये गये हैं, वहीं क़रीब 17 लाख यानि 27% बच्चों का वजन मानक औसत वजन से कम पाया गया है।

केन्द्र सरकार द्वारा संचालित पोषण ट्रेकर की माह जनवरी 24 की रिपोर्ट दर्शाती है कि मध्यप्रदेश में पिछले दो माह में ही कम वजन वाले बच्चों की संख्या में 3% की बढ़ोतरी हुई है। मई 2024 में जहां मध्यप्रदेश की आंगनबाड़ियों में कम वजन वाले बच्चों की संख्या 24% थी, वहीं जुलाई 2024 में यह बढ़कर 27% पहुँच गई है।

बढ़ते कुपोषण ने समूचे मध्यप्रदेश की आहार वितरण प्रणाली और बच्चों को पोषाहार देने के सभी दावों पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाये हैं। शर्मनाक बात है कि इस इंडेक्स मे अब मध्यप्रदेश 35वें नंबर पर लुढ़क गया है। अब हमसे नीचे मात्र एक स्थान ही बचा है।

आँकड़े बताते हैं कि मध्यप्रदेश सरकार की कथनी और करनी में व्यापक अंतर है। सभी झूठे दावों और वादों की तरह ही बच्चों को भरपेट भोजन/ पोषाहार देने का इनका दावा भी झूठा है, अफ़लातूनी है, विज्ञापनी है।

देश व प्रदेश का महिला बाल विकास विभाग अपने महिला और बच्चों के पोषण आहार सशक्तिकरण कार्यक्रमों में यहां सरकार हर साल हजारों करोड़ रुपए खर्च करती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया से लेकर मुख्य सचिव वीरा राणा, प्रधान सचिव संजय शुक्ला, बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी सह आयुक्त सोफिया फारुकी सचिन माधवी नागेंद्र अबाउट संचालक सीमा ठाकुर राजपाल कौर अश्विनी परिहार सहित संचालक अक्षय श्रीवास्तव शिवकुमार शर्मा सुरेश सिंह तोमर आरपी सिंह डॉ अमिताभ अवस्थी, डॉ प्रज्ञा अवस्थी, डॉ विशाल नाडकर्णी, स्वर्णिम शुक्ला, उपसंचालकबल बिश्नोई शिवकली बरबड़े योगेंद्र सिंह यादव नीलू भट्टसीमा रघुवंशी, राधा सोलंकी, हरीश खरे, संजय प्रताप सिंह, सहायक संचालक गोविंद सिंह रघुवंशी, संतोष सिंह राजेश पाटील राजेश अग्रवाल अनुराग जोशी प्रभात सिंह मनीष अग्रवाल, दिनेश दीक्षित, सुबोध गर्ग, आनंद शिवहरे, मनोज अहिरवार, यज्ञा मेड़ा, रामकुमार तिवारी, लेखाधिकारी विनोद युरकरे,प्रदीप दलाल, अब्दुल समी, के साथ ये सब महिला एवं बाल विकास मुख्यालय में बैठकर भ्रष्टाचार, लूट, डकैती मौज मस्ती अय्याशी के चलते जनधन की लूट का अड्डा बना हुआ है।

संभागों में बैठे संयुक्त संचालक सागर बीएल प्रजापति, भोपाल नकी जहां कुरैशी, चंबल डी के सिद्धार्थ, जबलपुर शशि श्याम उईके, नर्मदापुरम एच के शर्मा, उज्जैन लक्ष्मी नारायण कंडवाल, ग्वालियर सीमा शर्मा, रीवा उषा सिंह सोलंकी, इंदौर संध्या व्यास उज्जैन रमा मुकाती, उपसंचालक ग्वालियर उपासना राय, शहडोल मंजू लता सिंह, जिनका काम उनके संभागों में बैठकर सभी जिलों के कार्यक्रम अधिकारियों से लेकरउनके अंतर्गत संचालित सभी गैर सरकारी आश्रमों से आंगनबाड़ियों तक सबकी निगरानी करना जिसमें महिलाओं और बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता भजन संख्या आदि सबके ऊपर नियंत्रण करना है पर यह सारे हरामखोर सभी जिलों के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रमों में किए जा रहे भ्रष्टाचार से वसूले हुए धन में से अपना हिस्सा बटोरते रहते हैं। इंदौर संभाग में अलीराजपुर में बैठे सहायक संचालक विजय सिंह सोलंकी बड़वानी में सहायक संचालक अजय कुमार गुप्ता बुरहानपुर में सुषमा भदोरिया, धार में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जैन, सहायक संचालक प्रवीण कुमार सितोले और भारती दांगी, इंदौर में रामनिवास बुधौलिया जिला कार्यक्रम अधिकारी झाबुआ में 4 सहायक संचालक अजय सिंह चौहान, बालू सिंह सस्तियां, राजू सिंह बघेल, वर्षा चौहान, खंडवा में पांच सहायक संचालक विष्णु प्रताप सिंह, एच एस अरोरा, विक्रांत भास्कर दामले, सुभाष सोलंकी नविता शिवहरे, खरगोन में मोनिका बघेल सहायक संचालक भारतीय आवश्यक जिला कार्यक्रम अधिकारी उज्जैन संभाग में अगर मेंरतन शर्माजिला कार्यक्रम अधिकारी और रीना शर्मा सहायक संचालक, देवास में जगदीश चंद्र वर्मा, संजय भारद्वाज, लवनीत कोरी सहायक संचालक वह रेलम बघेल जिला कार्यक्रम अधिकारी, मंदसौर में सहायक संचालक प्रकाश चंद्र चौहान और रविंद्र महाजन, नीमच में सहायक संचालक ताराचंद मेहरा और सौदामिनी शिवहरे, रतलाम में विनीता लोढ़ा, अंकिता पांडे, रविंद्र मिश्रा 3 सहायक संचालक, रजनीश सिंह जिला कार्यक्रम अधिकारी है। शाजापुर में सहायक संचालक ज्ञानेश कुमार खरे, नीलम चौहान, उज्जैन मेंतीन सहायक संचालक शारदा मिश्रा गुरुदत् तपांडे और साबिर अहमद सिद्दीकी, के साथ हर जिले मेंजिला समन्वयक पोषण अभियां के दो से तीन पदमहिला सशक्तिकरण के भी दो से तीन पद वन स्टॉप सेंटर आदि के हैं जो सभीहर कदम-कदम पर सभी प्रकार का भ्रष्टाचार महिलाओं बच्चों के पोषण आहार औषधीय व अन्य कार्यक्रमों में करते हैं और सरकार पत्रकारों के नंबर टेप करती है अपने सरकारी विभागों के कम से कम खास तौर से महिला बाल विकास के कर्मचारी अधिकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के सबके फॉर्म टाइप करके देखना चाहिए की शान से मिलने वाली सुविधाओं का कहां कैसा उपयोग कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

इस बार भी महिला बाल विकास में मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना में 18984 करोड रुपए का प्रावधान किया गया। आंगनबाड़ी सेवाएं सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 3469 करोड़, लाड़ली लक्ष्मी योजना हेतु 1231 करोड़, न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम विशेष पोषण आहार योजना हेतु 1167 करोड रुपए महिला एवं बाल कल्याण संरचनालय 423 करोड रु, प्रधानमंत्री मातृ बंधन योजना पीएमएमवीवाई के मिशन शक्ति सामर्थ हेतु 350 करोड रु, पोषण अभियान एन एन एम सक्षम आंगनवाड़ी और पोशान 2.0 हेतु रुपए 200 करोड़ का आंगनबाड़ी केदो के लिए भवन निर्माण हेतु 150 करोड़ समय के बाल संरक्षण योजना आईसीपी एस मिशन वात्सल्य हेतु रुपए 130 करोड़ नॉन इंस्टीट्यूशनल केयर स्पॉन्सरशिप फास्टर हेतु रुपए 110 करोड़ का प्रावधान किया गया है। पर अधिकांश पैसा लाडली बहन योजना में भाजपा की कार्यकर्ताओं उनके रिश्तेदारों को बांट शेरों से गांव तक भाजपा अपनी सरकारी धन से पकड़ मजबूत कर रही है। इस योजना के अंतर्गत करोड़ों खातों मैं पैसा आर्थिक रूप से सक्षम महिलाओं के खाते में भी अपने पार्टी की कार्यकर्ताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाने उनके खातों में डाला जा रहा है। इसकी भी बारीकी से जांच की जानी चाहिए जिनके पास करोड़ों रुपए के मकान गाड़ी घोड़े और आय के साधन हैं। उनको भी अनावश्यक रूप से लाभ पहुंचाया जा रहा है। सरकारी डाटा के अनुसार प्रदेश में 98000 आंगनबाड़ी है एक आंगनवाड़ी में संचालिका सहायक भोजन बनाने वाले दो से तीन कार्यकर्ता काम करते हैं अर्थात लगभग तीन लाख से ज्यादा कार्यकर्ता कर्मचारी अधिकारी महिला बाल विकास में कार्यरत है। शिक्षा पुलिस इस विभाग में सबसे ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं। 98000 आंगनबाड़ी और एक आंगनवाड़ी में लगभग 5 वर्ष से कम के100 बच्चे तो जब 98 लाख बच्चे आंगनवाड़ी में ही भोजन कर रहे हैं। तो प्रदेश की 7 करोड़ की आबादी मेंजब 5 वर्ष से काम के मात्र 60 लाख बच्चे ही हैं तो 38 लाख बच्चे यूपी बिहार उड़ीसा महाराष्ट्र और राजस्थान कहां के आकर मध्य प्रदेश के आंगनबाड़ियों में भोजन कर रहे हैं समझ नहीं आ रहा। यह बात में पिछले 15 साल से लगातार लिख रहा हूं। 90% गांव और शहरों की आंगनबाड़ियों में मैथ 5 10 बच्चे ही आते हैं उनका भीभोजन बनता है बाकी 90% का भोजन पैसे खिलौने व अन्य सामग्री, विभाग की बंदरबांट में हजम कर ली जाती है। प्रदेश में बच्चों वह दूध धात्री माता केकुपोषणसेन केवल शरीर का वजन व लंबाई कम होने के साथ मस्तिष्क का विकास भी उसी अनुपात में होता है और मस्तिष्क कमजोर होता हैजो जीवन पर्यंत उन सबको परेशान करने के साथ में यथार्थ में राष्ट्र के लिए भी घातक हैइसके संबंध में भास्कर वाली समाचार पत्रों में लगातार खबरें छापी जा रही हैं। जो निम्नानुसार है।

सच पर मंथन आवश्यक

भाजपा का 25 जून 1975 को संविधान हत्या दिवस

10 वर्षों से सरकार चला रहे क्या कुछ अच्छा किया सोचा कभी

केंद्र में मोदी ने झूठों पाखंड के दम पर सत्ता हथियाने के बाद भी 10 वर्षों में देश को बर्बाद करने जनता को लूटने के अतिरिक्त देश व जनता के लिए कोई बहुत अच्छा काम नहीं किया। अधिकांश सत्ताधीश दल के प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से लेकर सांसदों मंत्रियों तक अधिकांश आपराधिक मानसिकता के नकारा नकारात्मक प्रवृत्ति केव्यक्तियों के पास सट्टा जाने के कारणउन्हें देश की संसद प्राकृतिक एवं मानव निर्मित संसाधनों को लूटा बेंचा गिरवी कर बर्बाद किया। देश की सत्ता को आईना दिखाने वाले न्यायपालिका और प्रचार माध्यमों को डरा धमका छल बल से अपने काबू में कर अपनी सच्चाइयों को छुपाने मीडिया में प्रतिदिन 200 से 300 करोड रुपए की विज्ञापन छाप प्रसारित कर सबका मुंह बंद कर दिया।

मोटे कमीशन के चलते विश्व घातक संगठन व उसकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इशारे पर नाच कर, उनके मोटे फायदे के लिए सफाई कैशलेसनोटबंदी जीएसटी और तालाबंदी कर हर तरीके से देश के व्यापार कृषि उद्योग धंधों को लूटने बर्बाद करने और 40 करोड लोगों को बर्बाद बेरोजगार बनाने के अतिरिक्त कोई उपलब्धि नहीं। छल बल दल व ईवीएम की जालसाजी और प्रशासनिक अधिकारियों को डरा धमका तीसरी बार भी कब्जा कर लिया। अपनी हर नाकामी को छुपाने देश में आजादी के बाद आई नेताओं नेहरू इंदिरा गांधी वल्लभभाई पटेल आदि को कोसने उनकी उपलब्धियां को भी नाकामयाब बताने के साथ हर बार नये षड्यंत्र हिंदू मुस्लिम किया और तीसरी बार में दमदार विपक्ष के नेता के रूप में जब राहुल गांधी ने मोदी और उसके गिरोह का संसद में सच बोला तो तो सबका पानी उतर गया और इसको भुलाने के लिए विपक्ष को बदनाम करने के लिए इंदिरा गांधी की 25 जून 1975 को लगाई गई इमरजेंसी को संविधान हत्या दिवस करार दे दिया।

लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के पास 352 सीट का बहुमत था और 22 सीट वाला जनसंघ असंवैधानिक तरीक़े से तख्तापलट करना चाहता था।

संविधान सभा में इस बात पर चर्चा हो रही थी कि सरकार के पास आपातकाल लगाने का अधिकार होना चाहिए या नहीं। कुछ सदस्यों ने इस पर आपत्ति की। तब बाबा साहेब अंबेडकर खड़े हुए और समझाया कि बहुत से हालात ऐसे हो सकते हैं जब सरकार को आपातकाल लगाना होगा। इसलिए हम संविधान में आपातकाल लगाने का प्रावधान रख रहे हैं।

आपातकाल लगाने की परिस्थितियां मोटे तौर पर यही बतायी गई कि सीमा पर कोई गंभीर खत़रा हो या फिर देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खत़रा खड़ा हो जाए। ऐसे हालात के लिए डॉक्टर अम्बेडकर ने चुनी हुई सरकार को आपातकाल लगाने का अधिकार भारत के संविधान में दिया था।

जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी तो उनकी चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश वे शक्तियाँ कर रही थी जिन्हें जनता ने खा़रिज कर दिया था। लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के पास 352 सीट का बहुमत था और 22 सीट वाला जनसंघ असंवैधानिक तरीक़े से तख्तापलट करना चाहता था।

एक चुनी हुई सरकार को गिराने की इस हवस में देश के छात्रों को भ्रमित किया गया। बिहार और उत्तर प्रदेश सहित देश के तमाम राज्यों में विश्वविद्यालय उपद्रव का केंद्र बन गए। कॉलेजों में आगज़नी और बम फोड़ने की घटनाएँ आम हो गई।

सार्वजनिक संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुक़सान पहुँचाया जाने लगा।

चुने हुए मुख्यमंत्री और विधायकों का इन उपद्रवियों द्वारा घेराव और पथराव शुरू हो गया। विधायक और सांसदों को बंधक बना लेना आम बात हो गई। एक सांसद की हत्या कर दी गई।

यही कम नहीं था इसके बाद रामलीला मैदान से सेना को सरकार के खलि़फ़ बग़ावत करने के लिए उकसाया गया। यानी कि भारत में पाकिस्तान की तर्ज़ पर सैनिक तख्तापलट को विपक्ष उकसा रहा था। इंदिरा गांधी चाहती है तो इन सारे गंभीर आरोपों में विपक्ष के चुने हुए नेताओं पर सीधे देशद्रोह का मुक़दमा लगा देतीं और उन्हें लंबे समय के लिए जेल के अंदर डाल देती।

वे चाहती तो आज की सरकार की तरह इन नेताओं और छात्रों के घर पर बुलडोजर चलवा देतीं। या फिर आज की सरकार की तरह इन छात्रों के माँ बाप को प्रताड़ित करना शुरू कर देती।

लेकिन इंदिरा गांधी ने ऐसा कोई भी असंवैधानिक क़दम नहीं उठाया।उन्होंने संविधान में इस तरह के घरेलू उपद्रव के हालात में दिये गये आपातकाल के प्रावधान का इस्तेमाल किया। यह संविधान की हत्या नहीं थी, यह संविधान का पालन था।

अगर वे तानाशाह होती तो विपक्ष के नेता सिर्फ़ डेढ़ साल के लिए जेल में नहीं होते, तो इंदिरा गाँधी बिना किसी बाहरी दबाव के आपातकाल समाप्त नहीं करती, तो इंदिरा गाँधी खुला और निष्पक्ष चुनाव नहीं कराती और चुनाव लड़ने के लिए विपक्ष के नेताओं को जेल से बाहर नहीं कर देतीं।

लेकिन इंदिरा गांधी ने यह सब किया और उन्होंने 1977 के चुनाव में ज़बरदस्त हार को स्वीकार किया।

शांति से विपक्ष में बैठी। विपक्ष में रहकर उन्होने तख्तापलट की बात नहीं कीऔर न किसी तरह की हिंसा को बढ़ावा दिया।

जनता ने जल्द ही जनता पार्टी की सच्चाई को पहचान लिया और 1980 में इंदिरा गाँधी दोबारा प्रचंड बहुमत से भारत के प्रधानमंत्री बनी।

यही इतिहास है, यही तथ्य हैं और यही सच्चाई है। जो 25 जून 1975 को संविधान हत्या दिवस कहने वालों के दिमाग़ में कभी नहीं आएगी क्योंकि उनका संविधान में विश्वास है ही नहीं।

भोज विश्वविद्यालय में हर कदम डकैती और जालसाजी

सब मिलजुल कर रहे हजम, शिक्षण संस्थान औचित्यहीन

प्रदेशके निजी शिक्षण संस्थान तो भ्रष्ट डकैत जालसाज विद्यार्थियों के शोषण के अड्डे होते हैं परंतु सरकारी प्राथमिक माध्यमिक उच्चतर शिक्षण संस्थानों से लेकरसभी प्रकार के सरकारी शिक्षण संस्थान विश्वविद्यालय भी भ्रष्टाचार एवं शोषण जलसचिव सरकारी योजनाओं के फायदे लेने में पीछे नहीं वहां पर भी अरबो रुपए की भ्रष्टाचार हर साल हर स्तर पर होते हैं परंतु सब मिल बात के सामंजस्य से कार्य करते हैं तो बड़ी से बड़ी जांचो को भी रद्दी की फाइलों में दबा दिया जाता है।

भोज विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव नितिन सांगले और पूर्व कुलपति सोनवलकर के करोड़ो के शासकीय धन के आर्थिक घोटाले

1.) भोज विश्वविद्यालय भोपाल भगत 10 वर्षों से अनेक स्तर पर आर्थिक अनुमति कर करोड़ों की घोटाले कर रहा है।

2.) पूर्व कुलपति सोनवलकर द्वारा अनेक कार्य कलाप में नियम प्रतिकूल सामग्री खरीदी, किताब खरीदी के टेंडर जारी कर करोड़ों के भुगतान एवं विज्ञापन के टेंडर स्वीकृति प्रदान की गई जिसमें लाखों का भ्रष्टाचार हुआ।

3.) सलाहकार की नियम प्रतिकूल नियुक्ति कर शासन निर्देशों का मजाक उड़ाया गया, आडिट आपत्ति के बाद भी लाखो का भुगतान किया।

4.) विश्वविद्यालय निधि का शासन निर्देशों के प्रतिकूल निवेश एवं गेस्ट हाउस तथा भवनों, वाहनों के उपयोग में प्रतिवर्ष लाखों रुपए का अनियमित भुगतान किया गया।

5.) चार्टर्ड अकाउंट की नियुक्ति बिना किसी प्रक्रिया के करते हुए उसे कार्य पूर्ण किए बिना पूरा भुगतान भी कर दिया गया।

6.) सुरक्षा और मैनपॉवर के टेंडर में कुटिलता पूर्वक शर्तों में हेरा फेरी कर मनचाहे रूप से टेंडर अवार्ड किया गया।

7.) कमीशन खोरी के चक्कर में कोरोना अवधि में परीक्षा प्रश्नपत्रों की फर्जी छपाई दर्शाते हुए 45 लाख का भुगतान किया गया।

8.) विश्वविद्यालय परिणाम प्रावधान के प्रतिकूल स्टडी मैटेरियल विश्वविद्यालय स्तर पर तैयार ना करते हुए बिना टेंडर के अमानत स्टार की बुक्स 35 करोड़ की राशि भुगतान कर के क्रय की गई।

9.) राज्य शासन के नियमों के अनुकूल नियुक्तियां कर विश्वविद्यालय निधि को नुकसान पहुंचाया गया।

10.) विश्वविद्यालय के हितों का संरक्षण करने के स्थान पर न्यायालय प्रकरणों में जवाबदारी निर्धारण ना करके वकीलों पर लाखों रुपए का भुगतान किया गया जबकि प्रकरण आज भी यात्रा स्थिति में है। 10.) परीक्षा केदो में नोडल ऑफीसरों की नियम के विरुद्ध नियुक्ति का लाखों रुपए का भुगतान किया गया।

11.) विश्वविद्यालय में पदस्थ वित्तीय नियंत्रक द्वारा विभिन्न स्तर की करोड़ों रुपए की अनिमित्ताओं पर लगाम कसने की कार्रवाई से बचने के लिए उनके द्वारा उच्च शिक्षा विभाग को भेजे प्रतिवेदनों को विभाग में कार्यरत संगठित गिरोह द्वारा संज्ञान न लेकर वित्त विभाग को वित्त नियंत्रक के स्थानांतरण के लिए झूठी शिकायत भेज कर दबाव निर्मित किया गया।

12.) अधिकारी कर्मचारी आवास को विश्वविद्यालय कैंपस में अपनी चहेती संविदा ठेके पर कार्य कर्मचारियों को नियम प्रतिकूल आवंटित कर लगभग निशुल्क दर विद्युत जल सुविधा उपलब्ध कराकर विश्वविद्यालय निधि को क्षति पहुंचाई गई।

13.) प्रतिनिधि के पदों पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों को शासन द्वारा 5 10 13 को बर्खास्त किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई न करते हुए प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की राशि भुगतान की जा रही है।
14.) राज्य शासन द्वारा 5 10 13 को समस्त नियुक्तियों को बर्खास्त करने के बाद भी एक दशक से न्यायालय द्वारा कोई भी रिलीफ नहीं मिलने के बाद भी बर्खास्त लोगों को वेतन भुगतान कर करोड़ों की क्षति की जा रही है।

14.) विश्वविद्यालय के पूर्व कुल सचिव एल एस सोलंकी ने कुलपति और माननीय मंत्री उच्च शिक्षा और राजभवन को लिखित में करोड़ों रुपए की शिकायत की गई मगर उन पर भी पर्दा डाल दिया जा रहा है ।

15.) राज्य शासन द्वारा विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए स्थापित लोकल फंड ऑडिट कार्यालय द्वारा वित्त निरंतर की आपत्तियों का पहाड़ खड़ा हो चुका है लेकिन आज भी अनुमित भुगतान जारी है शासन द्वारा स्थापित भोज विश्वविद्यालय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है तथा आज दिनांक तक रु. 1 के भी अनियमित भुगतान की किसी से भी कोई भी वसूली नहीं की गई है जिससे प्रतीत होता है कि भोज विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार एवं अन्यथाओं को उच्च शिक्षा विभाग का जबरदस्त संरक्षण प्राप्त है। यदि उक्त बिंदुओं की उच्च स्तरीय जांच होती है तो करोड़ों रुपए का गवन और भ्रष्टाचार रूप होकर इन सबको करवा की सजा करने से कोई नहीं रोक सकता है और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, व्यापंम से बढ़कर भी यहां घोटाला सिद्ध होने की 100% गारंटी है।

इंदौर में नाइट कल्चर बंद, अब रातभर नहीं खुल सकेंगे बाजार

मध्य प्रदेश की राजधानी इंदौर से बड़ी खबर है. अब यहां नाइट कल्चर बंद हो गया है. यानी, रात में दुकानें, बार और मॉल नहीं खुलेंगे. नाइट लाइफ के चलते यहां अपराध बढ़ गए थे. इसी के मद्देनजर कलेक्टर आशीष सिंह ने 12 जुलाई की शाम तत्काल अपने पुराने आदेश को रद्द कर नया आदेश जारी कर दिया. प्रशासन के नए आदेश में कहा गया है कि इंदौर के निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक 11. 45 किलोमीटर तक के क्षेत्र में 24 घण्टे विभिन्न संस्थाओं और व्यसायिक संस्थाओं को खुले रखने का आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है.

गौरतलब है कि, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीएम हाउस में विधायकों की बैठक बुलाई थी. इसमें उन्होंने विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की. इसी चर्चा में इंदौर के नाइट कल्चर पर भी बात हुई. विधायकों ने सरकार से इस कल्चर को बंद करने की अपील की. इसके बाद सीएम यादव ने कहा कि इंदौर के नाइट कल्चर को लेकर दोबारा विचार किया जाएगा. इसके कुछ ही देर बाद सीएम यादव की मंशा अनुसार कलेक्टर इंदौर आशीष सिंह ने बड़ा फैसला कर लिया. बताया जाता है कि सीएम यादव ने केवल बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के आसपास ही दुकानें खुली रखने पर अपनी सहमति दी.

बढ़ने लगे अपराध

गौरतलब है कि, इंदौर के नाइट कल्चर का पिछले डेढ़ साल से लगातार विरोध हो रहा था. क्योंकि, जैसे ही इंदौर में रातभर दुकानें खुलने लगीं, वैसे ही अपराध भी बढ़ने लगे. आए दिन मारपीट, हमले और शराब पार्टी के वीडियो वायरल होने लगे. कई वीडियो में लड़कियां भी शराब के नशे में विवाद करते दिखाई देने लगीं. ये सब देखते हुए स्थानीय संस्थाओं और नेताओं ने इसे बंद करने की अपील की थी. बता दें, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के नाइट कल्चर के खिलाफ खुलकर सामने आए थे. उन्होंने कई बार इसे तत्काल बंद करने की बात कही थी. उन्होंने कहा था कि इस तरह से बाजार खोलने की कोई जरूरत नहीं है.

साप्ताहिक समय माया

बड़े काम की है फिटकरी

फिटकरी कई तरह के रोगों में विशेष रूप से लाभकारी है-

दांत का दर्द : फिटकरी और काली मिर्च पीसकर दांतों की जड़ों में मलने से दांतों की पीड़ा में लाभ होता है।

दमा : फुलाई हुई फिटकरी एक तोला और मिश्री दो तोला, दोनों को महीन पीसकर रख लें। एक-एक माशा सवेरे खाने से दमा के रोग में लाभ होता है।

कान का बहना : कान में फुंसी हो अथवा मवाद आता हो तो एक प्याले में थोड़ी-सी फिटकरी पीसकर पानी डालकर घोलें और पिचकारी द्वारा कान धोएं।

आंखों में जाला: आधा चम्मच शहद और दो ग्राम फिटकरी पिसी हुई, किसी छोटी-सी डिबिया में डालकर ढक्कन बंद करके रख दें। शहद और फिटकरी के इस मिश्रण की सलाई सुबह और शाम दोनों समय आंखों में लेते रहें।

आंखों में जलन: फिटकरी का थोड़ा-सा साफ चूर्ण, दूध की मलाई में मिलाकर, पलकों पर लेप करें और सो जाएं।

खाज-खुजली : खुजली वाली जगह को फिटकरी वाले पानी से धोएं और बाद में उस जगह पर थोड़ा-सा कड़वा तेल लगा लें। उस पर थोड़ा-सा कपूर भी डाल लें। अवश्य लाभ होगा।

प्रदर : फिटकरी के पानी से योनि को सुबह-शाम नियमित धोएं। पंसारी से सगे जराहत और फिटकरी लेकर, दोनों पीस लें और इस आधा ग्राम चूर्ण की फांकी ताजे पानी के साथ या गाय के दूध के साथ सुबह, दोपहर और शाम दिन में तीन बार लें। कुछ ही दिनों के प्रयोग से अवश्य लाभ होगा।

अगर आप भी माइग्रेन से परेशान हैं तो जरा गौर कीजिए इन बातों पर।

डिजीज अलर्ट

महिलाओं को सताता है माइग्रेन

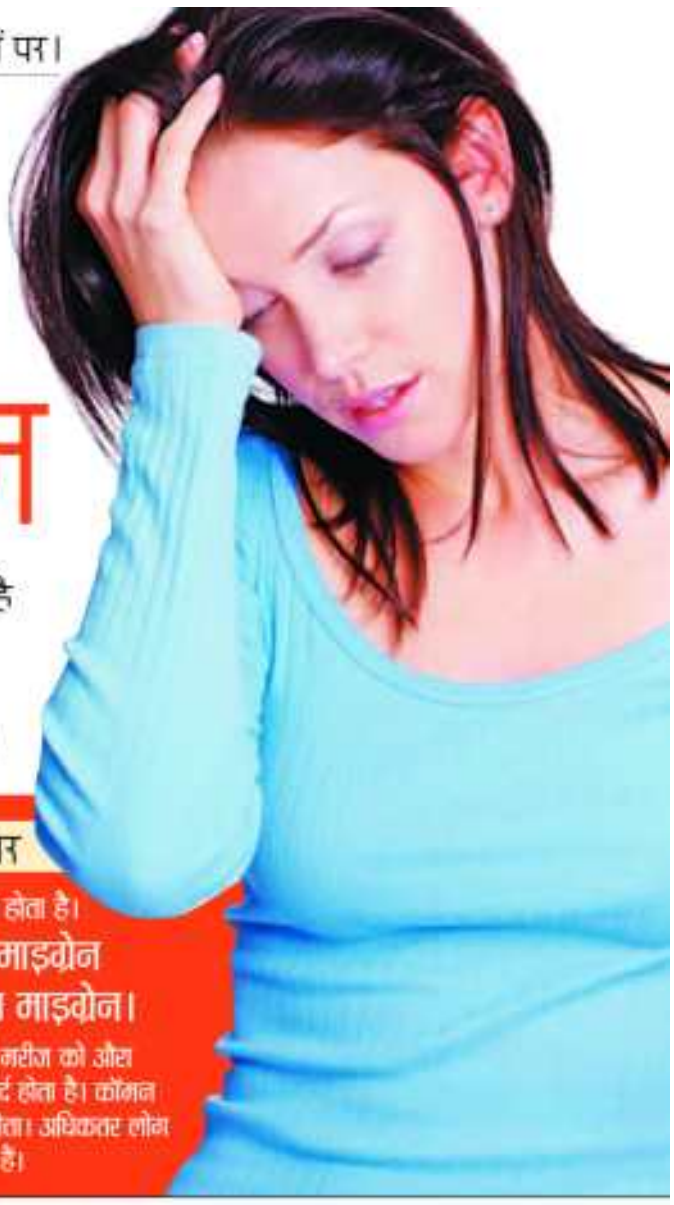

माई का अर्थ है हेमी यानी आधा और ग्रेन का अर्थ है क्रेनियम यानी सिर। इस तरह से माइग्रेन का मतलब ही आधे सिर का दर्द है। महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा माइग्रेन की चपेट में अधिक आती हैं।

हर सिर दर्द माइग्रेन नहीं होता। लक्षणों की ठीक से जानकारी हासिल करने के बाद ही जाना जा सकता है कि यह माइग्रेन है या कुछ और।

माइग्रेन के मुख्य लक्षण

सिर दर्द से फटा जा रहा है। सिर का एक हिस्सा लगातार दुख रहा है। किसी भी तरह की रोशनी इस दर्द को बढ़ा देती है। मरीज मितली महसूस करता है। दर्द 4 से 72 घंटे तक रह सकता है। कभी-कभी तो यह 7 दिन तक रहता है। सर दर्द होने से पहले ही मरीज को आभास हो जाता है कि उसे भयंकर सिर दर्द होने वाला है। इस आभास को औरा कहते हैं। यह दर्द आधे सिर के अलावा माथे, जबड़े और आंख के नीचे भी होता है।

माइग्रेन के कारण

माइग्रेन का अटैक पड़ने पर ब्रेन स्टेम अत्यधिक सक्रिय हो जाता है। इसकी वजह से रसायन सेराटोनिन पैदा होता है, जिससे दिमाग के आसपास की रक्त वाहिनियों में सूजन बढ़ जाती है और दर्द होने लगता है। स्नायु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रसेनजीत के मुताबिक तनाव, डाइटिंग, भोजन, रेड वाइन, कैफीन-चॉकलेट, साइट्रस फूड (नींबू, संतरा और कीनू), चीज, खमीर उठे भोजन और पेस्ट्री, पिज्जा, अचार का सेवन माइग्रेन के मुख्य कारण है। नींद में कमी, परफ्यूम, मानसिक और शारीरिक थकान, तेज रोशनी या तेज आवाज और अधिक गुस्सा करने से भी माइग्रेन होता है।

यह बायोलॉजिकल और वंशानुगत बीमारी है। शिकागो में डायमंड हेडेक क्लीनिक के एसोसिएट प्रोफेसर मरली डायमंड के अनुसार अगर दोनों अभिभावकों में से किसी एक को यह बीमारी है, तो ऐसे बच्चों में 50 प्रतिशत और अगर दोनों अभिभावकों को हो, तो उनके बच्चों को 75 प्रतिशत बीमारी होने के आसार होते हैं।

माइग्रेन के प्रकार

माइग्रेन दो प्रकार का होता है।

1. क्लासिकल माइग्रेन
2. दूसरा कॉमन माइग्रेन।

क्लासिकल माइग्रेन में मरीज को औरा होता है और फिर सिर दर्द होता है। कॉमन माइग्रेन में औरा नहीं होता। अधिकतर लोग इसकी चपेट में ही आते हैं।

किन्हें होता है माइग्रेन

प्रमाण मिले हैं कि महिलाओं के गिरते-बढ़ते इस्ट्रोजन हॉर्मोन के स्तर का माइग्रेन से संबंध हो सकता है। निम्न अवस्थाओं से गुजरनेवाली महिलाओं को माइग्रेन के अटैक पड़ते हैं -

मिनारकी : जब एक किशोर लड़की को जिंदगी में पहली बार मासिक स्राव शुरू होता है, तब माइग्रेन होता है। इसे मिनारकी माइग्रेन कहते हैं।

मासिक धर्म: हर महीने मासिक धर्म आने पर माइग्रेन होता है, इसे मेंस्टुअल माइग्रेन कहते हैं। इसमें इस्ट्रोजन हॉर्मोन का स्तर अचानक नीचे गिर जाता है।

हॉर्मोन्स रिप्लेसमेंट थैरेपी : एचआरटी लेने पर भी इस्ट्रोजन की वजह से माइग्रेन हो सकता है। इसलिए एचआरटी हमेशा डॉक्टर की सलाह से लें।

प्रेगनेंसी : जिन महिलाओं को माइग्रेन होता है, उनका गर्भावस्था के चौथे से नवें महीने के दौरान माइग्रेन गायब हो जाता है। तब इस्ट्रोजन का स्तर बढ़ जाता है।

पोस्ट पार्टम : जो महिलाएं गर्भावस्था के दौरान माइग्रेन भूल बैठी थीं, उन्हें डिलीवरी के एक हफ्ते के भीतर अचानक माइग्रेन हो जाता है। तब इस्ट्रोजन का स्तर गिर जाता है।

ओरल कॉन्ट्रासेप्टिव: ओरल कॉन्ट्रासेप्टिव लेने पर कुछ महिलाओं में माइग्रेन बढ़ जाता है, तो कुछ का कम हो जाता है।

माइग्रेन का इलाज

माइग्रेन लाइलाज है, लेकिन इस पर काबू पाया जा सकता है। कुछ दवाएं ऐसी हैं, जो अटैक की रोकथाम में इस्तेमाल में लाई जाती हैं। ब्लड प्रेशर, दिल के मरीज, गर्भावस्था के दौरान या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को माइग्रेन के अटैक के दौरान दवाई खाते समय विशेष सावधानी रखनी चाहिए। इन्हें डॉक्टरी सलाह के बगैर दवा नहीं लेनी चाहिए। रिलेक्सेशन थैरेपी, लाइफ स्टाइल में बदलाव और साइकोथैरेपी से इस पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है।

देवशयनी एकादशी... बन रहे 4 शुभ योग

देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है. देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु योग निद्रा में 4 माह के लिए चले जाते हैं. तब से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है, जो चार माह तक रहता है. चातुर्मास में सभी देव सो जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में आ जाता है. इस बार देवशयनी एकादशी के दिन 4 शुभ योग बन रहे हैं. देवशयनी एकादशी पर व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा करते हैं. उनकी कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है, पाप नष्ट होते हैं. काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि देवशयनी एकादशी कब है? देवशयनी एकादशी का मुहूर्त और महत्व क्या है?

साल 2024 में कब है देवशयनी एकादशी?

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी की पावन तिथि 16 जुलाई को रात 08 बजकर 33 मिनट पर शुरु है और इसका समापन 17 जुलाई को रात 09 बजकर 02 मिनट पर होगा. उदयातिथि के आधार पर देवशयनी एकादशी का व्रत 17 जुलाई दिन बुधवार को रखा जाएगा और व्रत का पारण गुरुवार को होगा.

17 जुलाई से शुरु होगा चातुर्मास

इस साल 17 जुलाई से

चातुर्मास का प्रारंभ होगा. इसकी वजह से 4 माह तक कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होंगे. इसमें शादी, मुंडन, गृह प्रवेश आदि जैसे सभी शुभ कार्य बंद हो जाएंगे.

देवशयनी एकादशी 2024 मुहूर्त

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी की पूजा आप ब्रह्म मुहूर्त से कर सकते हैं. उस दिन सुबह से ही सर्वार्थ सिद्धि योग बना है, जिसमें किए गए कार्य सफल सिद्ध होंगे.

4 शुभ योग में है देवशयनी एकादशी 2024

इस साल की देवशयनी एकादशी पर 4 शुभ योग बन रहे हैं. देवशयनी एकादशी वाले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, शुभ योग और शुक्ल योग बने हैं. ये सभी योग पूजा पाठ और शुभ कार्यों के लिए अच्छे माने जाते हैं. व्रत के दिन अनुराधा नक्षत्र और पारण वाले दिन ज्येष्ठा नक्षत्र है.

देवशयनी एकादशी 2024 व्रत पारण समय

जो लोग 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी का व्रत रखेंगे, वे व्रत का पारण 18 जुलाई गुरुवार को करेंगे. पारण का समय सुबह 05 बजकर 35 मिनट से सुबह 08 बजकर 20 मिनट के बीच है. इस समय में पारण करके व्रत को पूरा कर लेना है. पारण वाले दिन द्वादशी तिथि का समापन रात 08 बजकर 44 मिनट पर होगा.

कच्चे पपीते के सेवन से मिलते हैं अनगिनत फायदे

आमतौर पर कच्चे पपीते का उपयोग सब्जी, अचार, सलाद आदि बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं, यह सेहत के लिए बहुत ही लाभदायक है। कच्चा पपीता शरीर के कई रोगों को दूर करने में सहायक है। इसमें विटामिन्स पर्याप्त मात्रा में मौजूद होते हैं। यह विटामिन-ए, विटामिन-सी और विटामिन-ई से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मददगार है। साथ ही, यह कई इंफेक्शन से बचाने में कारगर है। आइए जानें, कच्चे पपीते के फायदे।

पाचन शक्ति को बढ़ाएं

कच्चे पपीते में मौजूद पैपिन पाचन शक्ति को ठीक करने में काफी सहायक है। इसमें घुलनशील फाइबर भी पाया जाता है, जो कब्ज दूर करने में सहायक है। अगर आप पाचन शक्ति को बढ़ाना चाहते हैं, तो डाइट में कच्चा पपीता जरूर शामिल करें।

दिल के लिए फायदेमंद

कच्चे पपीते में फाइब्रिन पाया जाता है। जो रक्त को थक्के बनने से रोकता है। जिससे आप हार्ट संबंधी बीमारी से बच सकते हैं। कच्चे पपीते का रस भी काफी लाभदायक है, इससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में मदद मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम के लिए

कच्चा पपीता पोषक तत्वों का खजाना होता है। यह विटामिन-बी, विटामिन-सी, फाइबर, पोटैशियम, और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। ये पोषत तत्व इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं।

वजन घटाने में गुणकारी

कच्चे पपीते में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो वजन कम करने में सहायक है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में कच्चे पपीते का सेवन कर सकते हैं।

डायबिटीज के मरीजों के लिए डायबिटीज की समस्या में कच्चे पपीते का सेवन बहुत ही लाभदायक माना जाता है। यह ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में सहायक है।

जिंदगी में रहना है खुश तो नए साल में छोड़ें इन आदतों को

नए साल आने में बस चंद दिन रह गए हैं। जल्द ही हम सब एक पड़ाव को पार करके आगे बढ़ेंगे। नए साल शुरूआत हम बहुत ही उत्साह और जोश से करते हैं और आने वाले पूरे साल में आशा भी करते हैं कि आगे के पूरे साल में हम अपने जीवन को ऐसे ही बिताए, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी या फिर यूं कहे कि बुरी आदतें हमारे ही जीवन में सुधार का रोड़ा बन जाती हैं। तो आज हम बात करने वाले है कि कैसे आप सिर्फ इन आदतों को अपनाकर अपनी जिंदगी को खुशियों और उत्साह से भर सकते है।

खुद के साथ बिताएं मी टाइम

अपने अक्सर देखा होगा कि हम ऑफिस से लेकर मोबाइल फोन, गैजेट्स में लगे रहते हैं, जिसके कारण हम तनाव में आने लगते है तो आने वाले में खुद को ज्यादा समय देने की कोशिश करें और अपने साथ मी- टाइम बिताएं और कई तरह की एक्टिविटी कर सकते हैं। अगर आपके घर पर बच्चे है तो आप उनके साथ भी समय व्यतीत कर सकते हैं।

गुड-फूड गुड-मूड

आपने अक्सर सुना होगा या महसूस किया होगा कि जब हम अच्छे या हेल्दी भोजन खाते है तो हमारी सेहत के साथ हमारा मूड भी अच्छा रहता है। इसलिए आने वाले साल में अपनी डाइट में हेल्दी फूड को लिस्ट को जरूर शामिल करें। नियमित रूप से फलों और हरी सब्जियों का सेवन करें।

सेविंग्स पर रखें ध्यान

साल की शुरूआत से ही आप अपनी सेविंग्स पर ध्यान दें। जरूरत से अधिक खर्च करने की आदत में सुधार करें ताकि आने वाले समय में अधिक से अधिक पैसे बचा सकें। इसके साथ ही अपने पुरानी चीजें जरूरतमंदों को दे सकते है, जिससे समान आगे रीयूज हो सकता है।

गुस्से को करें बॉय-बॉय

नए साल में खुद से एक वादा करें कि आप अपने गुस्से को कम या कंट्रोल करेगें। यदि आपको गुस्सा ज्यादा आता है तो आप संगीत सुन सकते है या फिर बच्चों के साथ समय बीता सकते है, जो आपको रिलैक्स रखेगा। इसके साथ ही आपकी सेहत भी अच्छी रहेगी।

गैर जिम्मेदारी से बचें

अगर अपने कोई काम की जिम्मेदारी ली है तो उसे अच्छे से और समय से पूरा करके दें। काम को बीच में न छोड़ें। इसके साथ ही ऑफिस और घर की जिम्मेदारी को महत्व दें इससे आपकी प्रतिभा पर अच्छा असरा पड़ेगा।

डायबिटीज में भारी पड़ सकती है धूम्रपान की आदत

खराब जीवनशैली इन दिनों कई समस्याओं की वजह बन चुकी है। छोटी सी परेशानी से लेकर लोग आजकल की गंभीर बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं। बीते कुछ समय से डायबिटीज एक गंभीर और आम समस्या बनती जा रही है। लोग लगातार इस बीमारी की चपेट में आते जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसे लेकर सतर्क रहे। अपनी लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव करते हुए आप न सिर्फ इस बीमारी से बच सकते हैं, बल्कि अगर आप इससे पीड़ित हैं, तो इसे काफी हद तक इसे नियंत्रित भी कर सकते हैं। लेकिन अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं और इसके बाद भी धूम्रपान करते हैं, तो यह आपके लिए काफी हानिकारक हो सकता है। स्मोकिंग वैसे तो सभी के लिए नुकसनदायक होती है, लेकिन मधुमेह में धूम्रपान करने से जोखिम और भी ज्यादा बढ़ जाता है। तो चलिए जानते हैं डायबिटीज में धूम्रपान करने से होने वाले फायदों के बारे में-

हृदय से जुड़ी समस्याएं

अगर आप डायबिटीज से पीड़ित हैं, तो कोशिश करें कि धूम्रपान और तम्बाकू जैसी चीजों से दूर रहें। मधुमेह में इनका सेवन करने से दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा काफी बढ़ जाता है। इतना ही नहीं ऐसे लोगों में हार्ट अटैक का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है।

किडनी से जुड़ी बीमारियां

अगर आप डायबिटीज होने के बाद भी लगातार धूम्रपान कर रहे हैं, तो आप किडनी संबंधी बीमारियों का भी शिकार हो सकते हैं। इसके साथ ही आंखों में इंफेक्शन का खतरा भी काफी बढ़ सकता है।

कठोर हो सकती हैं धमनियां

अक्सर ऐसा पाया गया है कि जो लोग डायबिटीज का शिकार होने पर भी स्मोकिंग करते हैं, उनकी धमनियां काफी कठोर होने लगती हैं। इसके चलते उनकी समस्या और भी ज्यादा बढ़ सकती हैं।

बिगड़ सकता है ग्लूकोज का स्तर

डायबिटीज के शिकार व्यक्ति के धूम्रपान करने पर शरीर में ग्लूकोज का स्तर बिगड़ सकता है। दरअसल, इसकी वजह से ग्लूकोज का लेवल कम या ज्यादा हो सकता है, जिससे आपकी स्थिति और भी ज्यादा बिगड़ सकती है।

ऐल्ब्युमिनमेह

डायबिटीज के दौरान धूम्रपान करने से आपको ऐल्ब्युमिनमेह की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या के होने पर यूरिन में ऐलब्युमिन नामक प्रोटीन की समस्या बढ़ जाती है, जिससे नर्व्स डैमेज होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

संगमरमर का संबंध रुह और आत्माओं से है, इसलिए सोच-समझ कर ही इसे लगवाएं

मंदिरों, मस्जिदों, मकबरों, गिरिजाघरों, गुरुद्वारों आदि में सदियों से ही संगमरमर का प्रयोग होता रहा है। संगमरमर के पीछे लिखे हुए मर-मर के मतलब पर ध्यान दिया जाए तो पता चलेगा कि संग-मर-मर परा भौतिक और रुहानी जिस्मों की प्रिय वस्तु है। संगमरमर के प्रयोग के इतिहास से यदि आपका परिचय कराया जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि संगमरमर का संबंध रुहों और मृतात्माओं से है।

भारत, चीन, मिस्र आदि देशों के विद्वान पुरातन वास्तुकारों ने मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघरों की शोभा बढ़ाने के लिए संगमरमर को एक उत्कृष्ट पत्थर मानकर इसका प्रयोग इसलिए किया, क्योंकि इसे रुहानी जिस्मों के आकर्षण का केन्द्र माना जाता है। ताजमहल को देखें तो ताजमहल क्या है? सफेद संगमरमर से बना एक मकबरा! रूहानी ताकतों पर शोध करने वालों की मानें तो ताजमहल की देखादेखी लोग अपने घरों में संगमरमर लगवाकर अपने घरों को भी मकबरा बना रहे हैं। इसलिए आजकल के लोग पहले के जमाने की अपेक्षा ज्यादा दुःखी और परेशान रहते हैं।

पहले के जमाने के लोगों के पास इतनी सुविधा नहीं थी जितनी कि आजकल के लोगों के पास है, फिर भी आज का आधुनिक मानव ज्यादा दुःखी, हैरान और परेशान रहता है। कारण यह है कि आधुनिकीकरण में लोग पूर्वजों के सिद्धांत

एवं सुखी जीवन के नियमों को भूलकर दिखावे की दुनिया में जी रहे हैं। परेशानी के कई कारणों में से एक कारण जानकर आपको शायद ताज्जुब होगा और इस बात को आप न स्वीकार कर पाऐं कि सुख, समृद्धि एवं शांति चाहने वालों को अपने घरों में संगमरमर लगाने से बचना चाहिए। लोग संगमरमर को घरों में लगवाकर बेहद खुश और गौरवान्वित इसलिए होते हैं क्योंकि यह पत्थर पॉलिश होने के बाद कांच की तरह चमकता है।

ज्योतिष और वास्तु के आधार को अगर कुछ देर के लिए न मानें तो आप इसका वैज्ञानिक आधार तो मानेंगे। संगमरमर पत्थर की संरचना का वैज्ञानिक आधार देखें, तो स्पष्ट होता है कि इसमें कार्बन का अंश विद्यमान होता है, जिससे वायु में उपस्थित ऑक्सीजन के संपर्क में आते ही कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जित होने लगती है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक होती है। आधुनिक शोध के अनुसार भी इसे शयनकक्ष आदि कहीं पर भी लगाना हितकर नहीं है। यह तो आप जानते ही हैं कि गर्मियों में संगमरमर गर्म रहता है और सर्दियों में अत्यधिक ठंडा, जिसके अनुरुप ही घर का वातावरण भी बन जाता है। ऐसे में घर के बच्चे, बुजुर्ग अक्सर सर्दी, जुकाम से पीड़ित रहते हैं और चिकने संगमरमर पर अगर पानी पड़ा हो तो फिसल कर लोग चोट खा जाते हैं। अतः अच्छा होगा कि घरों में संगमरमर न लगाया जाए।

साप्ताहिक समय माया

जीएसटी लगे 2470 दिन में 7000 से ज्यादा संशोधन

बड़े उद्योगपतियों को छूट, छोटे उद्योग व्यापारियों से लूट

मप्र वाणिज्य कर विभाग में बरसों से जमे अधिकारियों का स्थानांतरण कब व शासन की जमीन पर कार्यालय कब बनेगा? जीएसटी में कहीं भी सूचना अधिकार में जानकारी देने पर कोई प्रतिबंध नहीं। फिर भ्रष्ट निकंमें अधिकारी क्यों करते हैं नौटंकी?

मध्य प्रदेश वाणिज्य कर में जीएसटी लागू होने के बाद विभाग के पुराने कानून और वेट के पेट्रोल डीजल गैस शराब को छोड़ जिन्हें अभी जीएसटी में नहीं लाया गया है सारे काम खत्म कर दिए गए हैं। नए जीएसटी कानून में कहीं पर भी एंटी इवेजन ब्यूरो, अंकेक्षण विभाग को विभागीय कर संग्रहण अपवंचन छापों वसूली, विभागीय खरीदी, सेवाओं के भुगतान व अन्य जानकारी को देने पर कहीं भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इसके विपरीत पूरे प्रदेश के मुख्यालय से लेकर सभी संभागों व वृत्तों के अधिकारी जानकारी देने के नाम पर सर्वोच्च न्यायालय उच्च न्यायालय व अन्य प्रकार के पुराने निर्णयों की 8 10 पेज की निरर्थक दलीलें देकर भारी नौटंकी करते हैं। सारे कर्मचारी अधिकारी से लेकरकर आयुक्त तकसब जनता के धन से वेतन लेते हैं। और वह कानून के अंतर्गत परीक्षा देकर, परीक्षा उत्तीर्ण करकानून के अंतर्गत नियुक्ति दी जाकर वेतन व अन्य सुविधाएं कानून के अंतर्गत कानून का पालन करने, ईमानदारी से कार्य करने समय पर कार्यालय आने जाने के लिए दिया जाता है। फिर जब सरकार नेहर कार्यालय में आने जाने की समय के लिए इलेक्ट्रॉनिक अटेंडेंस मशीन लगा रखी है। तो वह मुख्यालय से लेकर इंदौर व प्रदेश के सभी कार्यालय में क्यों नहीं लगाई जा रही? जबकि देवास में यह मशीन लगा दी गई हैं। देवास वृत्त करेले में पदस्थ वाणिज्य कर अधिकारी जाटव को 7 साल हो गए। परंतु स्थानांतरण नहीं किया जा रहा। जो वहां बैठकर हर महीने होने वाले 30 से 40 पंजीयनों में 10 से रु. 20 हजार वसूल कर रहा है। यही हाल वहां ए सीटीओ, कर निरीक्षकों का भी है। अभी बड़ा खेल मिसमैच के नाम पर वहां जाटव के इशारे पर कर निरीक्षक अग्रवाल जो सात आठ सालों से वही जमा है, जाकर संबंधित फैक्ट्रियों, उद्योगों, पार्टियों, व्यवसाईयों से अपना केवल देवास बल्कि जिले की कन्नौद, खातेगांव, लोहारदा, सोनकच्छ आदि से भी मोटी वसूली कर सबको कर अपवंचन की खुली छूट दे रहा है। बेशक यही हाल प्रदेश के 80 से ज्यादा वृत्तों का है। जहां पर खुलकर भ्रष्टाचार और वसूली के खेल से शासन के राजस्व को हानि पहुंचाई जा रही है। इंदौर में हिमानी जी करके व्रत क्र 10 में बैठे धीरज वानखेडे जहां भी बैठा भारी भ्रष्टाचार किया और अभी भी पंजीयन से लेकर मिसमैच व जांच के नाम पर भारी वसूली कर रहा है। जिसके पास पूरा जेल रोड राजवाड़ा आदि है। सूत्रों के अनुसार कमल ड्रेसेज के कर भुगतान में गड़बड़ी होने पर वहां जाकर रु. 8 लाख वसूल कर लाया।

यही हाल पूरे प्रदेश के अधिकारियों के हैं दूसरी तरफजीएसटी में अडानी अंबानी टाटा बिरला को अन्य को प्रकार की छूट दी गई है परंतु छोटे व्यापारियों को परेशान करने उलझने वसूली करनेरिटर्नएस जमा करने पेनल्टी लगाने दंड ठोकने ब्याज लगाने के मामलों में उलझा करसजा का प्रावधान किया गया है। जीएसटी को लगाए 2570 दिन हो जाने के बाद में उसमें 7000 से ज्यादा संशोधन कर छोटे व्यापारियों उद्योगों बाजारों को खत्म करने के लिए दिए। जीएसटी काउंसिल की बैठक और उनके निर्णयके के बारे में साइट पर निम्न अनुसार दिया

जीएसटी परिषद की बैठकें व उसके निर्णय

जीएसटी परिषद एक संवैधानिक निकाय है जो भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। जीएसटी परिषद की पहली बैठक 22-23 सितंबर, 2016 को हुई थी और तब से परिषद जीएसटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करने और निर्णय लेने के लिए समय-समय पर बैठक करती है।

परिषद जीएसटी से संबंधित प्रमुख मुद्दों जैसे कर दरों, छूट, सीमा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। अपनी बैठकों के दौरान, जीएसटी परिषद आम सहमति के आधार पर निर्णय लेती है। जीएसटी परिषद का प्रत्येक निर्णय उपस्थित सदस्यों के भारित मतों के कम से कम तीन-चौथाई बहुमत से लिया जाएगा, जिसमें केंद्र को डाले गए कुल मतों का एक-तिहाई और राज्यों को डाले गए कुल मतों का दो-तिहाई भार होगा, जो सहकारी संघवाद की भावना को बढ़ावा देता है।

परिषद ने अब तक 49 बैठकें की हैं और इसके निर्णयों का भारत में जीएसटी कार्यान्वयन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय इस प्रकार हैं:-

स्व-रिपोर्टिंग व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए, जीएसटी परिषद ने अपनी 24वीं बैठक में नई ई-वे बिल प्रणाली शुरू की।

जीएसटी परिषद ने अपनी 35वीं बैठक में जीएसटी में ई-इनवॉइसिंग प्रणाली शुरू करने को मंजूरी दी, जो भारत में जीएसटी व्यवस्था के तहत एक मानकीकृत प्रारूप में चालान बनाने और रिपोर्ट करने के लिए एक डिजिटल तंत्र है। ई-इनवॉइसिंग सीमा को और कम कर दिया गया है और 5 करोड़ रुपये या उससे अधिक के वार्षिक कारोबार वाली छोटी फर्मों के लिए 1 अगस्त, 2023 से व्यवसाय-से-व्यवसाय आपूर्ति के लिए ई-इनवॉइस जारी करना अनिवार्य कर दिया गया है।

रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए शुरू की गई विशेष योजना के तहत, परिषद ने अपनी 33वीं और 34वीं बैठकों में गैर-किफायती संपत्तियों पर प्रभावी दर को 12% से घटाकर 5% और निर्माणाधीन संपत्तियों पर लागू किफायती आवास योजना पर 8% से घटाकर 1% कर दिया।

हरित ऊर्जा पहल को बढ़ावा देने के लिए, जीएसटी परिषद ने अपनी 36वीं बैठक में सभी इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दरों को 12% से घटाकर 5% कर दिया और 12 से अधिक लोगों की क्षमता वाली इलेक्ट्रिक बसों को जीएसटी से छूट दी गई। जीएसटी परिषद ने अपनी 42वीं बैठक में रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया की विशेषताओं में वृद्धि को मंजूरी दी और छोटे पैमाने के व्यवसायों के लिए क्यूआरएमपी योजना शुरू की गई। कोविड-19 महामारी के दौरान राहत उपाय के रूप में, परिषद ने अपनी 43वीं और 44वीं बैठक में निर्दिष्ट कोविड संबंधित वस्तुओं पर शुल्क को युक्तिसंगत बनाने को मंजूरी दी। जीएसटी परिषद ने अपनी 47वीं बैठक में सीजीएसटी नियमों में संशोधन के माध्यम से कुछ व्यापार सुविधा उपायों को मंजूरी दी, जैसे उलटे शुल्क मामलों में रिफंड की गणना के लिए फार्मूले में बदलाव, जीएसटीआर-4 दाखिल करने में देरी के लिए विलंब शुल्क में और छूट, कर के भुगतान के लिए अतिरिक्त तरीके आदि। परिषद ने अपनी 49वीं बैठक में वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) की राष्ट्रीय पीठ के निर्माण को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। अपीलीय न्यायाधिकरण की राष्ट्रीय पीठ नई दिल्ली में स्थित होगी। जीएसटीएटी की अध्यक्षता इसके अध्यक्ष करेंगे और इसमें एक तकनीकी सदस्य (केंद्र) और एक तकनीकी सदस्य (राज्य) शामिल होंगे।

जीएसटी से संबंधित सभी मुनाफाखोरी विरोधी शिकायतों का निपटारा अब 1 दिसंबर, 2022 से भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा किया जाएगा। इससे पहले, पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं द्वारा अनुचित मुनाफाखोरी गतिविधियों की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के लिए नवंबर, 2017 में राष्ट्रीय मुनाफाखोरी विरोधी प्राधिकरण (एनएए) की स्थापना की गई थी कि वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरों में कमी और इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ कीमतों में कमी के माध्यम से उपभोक्ताओं को दिया जाए। शुरुआत में, इसे 2019 तक दो साल के लिए स्थापित किया गया था, लेकिन बाद में इसे और बढ़ा दिया गया।

जीएसटी रिटर्न का सरलीकरण और ऑटो-पॉपुलेशन, करदाताओं के लिए अनुपालन को आसान बनाना।

ई-इनवॉइस को ई-वे बिल सिस्टम और जीएसटी रिटर्न के साथ एकीकृत करना, व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना।

डिजिटल भुगतान की सुविधा के लिए चालान पर डायनेमिक क्यूआर कोड की शुरुआत।

दर युक्तिकरण: 28% जीएसटी स्लैब के तहत 226 वस्तुओं को अब तक घटाकर 37 कर दिया गया है।

वस्तु एवं कर (जीएसटी) व्यवस्था काफी हद तक स्थिर हो गई है क्योंकि प्रमुख बाधाओं और अवरोधों को पहले ही दूर कर दिया गया है। इन वर्षों में, कुछ शुरुआती परेशानियों के बावजूद, जीएसटी व्यवस्था ने भारत में व्यापार करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाया है और जीएसटी परिषद के साथ सहकारी संघवाद के विचार को भी मजबूत किया है।

भू कॉलोनी भाजपाई माफिया ही वृक्षों व हरियाली के घोर शत्रु

पेज 1 का शेष

वर्तमान में 51 लाख पेड़ लगाने के लिए जो नाटक किया जा रहा हैइसकी आड़ में 500 करोड़ तो बहुत छोटी रकम हैहजार करोड़ से ज्यादा का भ्रष्टाचार किया जाएगा। जिन ठेले, पगमार्गों दुकानों बाजारों व्यापारियों उद्योगों को सुबह 6:00 बजे से लेकर रात में 11-12 बजे तक नगर निगम की गाड़ियां घूम कर व पुलिस परेशान कर कभी पॉलिथीन के नाम, कभी गंदगी के, कभी सामान सड़क पर रखे होने के आदि नाम पर मारते पीटते ठेले पलटाते वसूली करते हैं। भेड़िया झुंड पार्टी के अदने से नेताओं से लेकर विधायक सांसद तक सभी कार्यक्रमों के नाम सबसे ज्यादा चंदा वसूली करते हैं। अकेले इंदौर में1995 से 97-98 तक 1200 बाग बगीचे हुआ करते थे। इसी घोर भ्रष्ट भू कॉलोनी माफिया कैलाश विजयवर्गीय के विधायक और महापौर के जमाने से उन बगीचों की जमीनों को हड़पने उन बगीचों में अपने पठ्ठों कार्यकर्ताओं को वहां माली के पद पर पदस्थ कर सरकारी आवास बनाकर किसके काल में दिए गए थे? इंदौर में मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल द्वारा अधिकांश दो नंबर क्षेत्र विकसित किया गया है। इंदौर विकास प्राधिकरण ने भी अपनी कॉलोनी में 5000 वर्ग फुट से लेकर 4-5-10 एकड़ के लंबे चौड़े बगीचे बनाए थे। हर साल उनके रखरखाव विकसित करने में दो अरब से ज्यादा जनता से लूटा हुआ धन बर्बाद किया जाता है। पौधे टाइल्स मरम्मत खेलकूद के सामग्री लगाने पर बर्बाद किया जाता है। साल भर बगीचों के अधिकांश पेड़ नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा काटे और बैंचे जाते हैं। फिर उनकी जगह हर वर्ष नई पेड़ लगाने पर पैसा खर्च किया जाता है। दूसरी तरफ लगभग 600 से ज्यादा बगीचे उनकी जमीनें कहां गायब कर दिए गए? वहां निगम के जोनल कार्यालय पानी की टंकियां खड़े करने की आड़ में नेताओं पार्षदों महापौर ने उन जमीनों का भरपूर सदुपयोग किया है। अपना केवल इंदौर में पूरे प्रदेश में नया चलन चल रहा है। जो भी सरकारी आवास कार्यालय भूमियां शहर के बीचों बीच हैं। इनके पास पर्याप्त बगीचे और खुली जमीन है। उनको हड़पने पहले शिकायत नहीं करवाओ छोटा पड़ रहा है यातायात बाधित करते हैं। बाद में उसे भूमि को खाली करवा कर पूंजी पतियों से मोटा कमीशन खाकर वे वेश कीमती जमीनों कि सारे पेड़ कटवा दो उजाड़ दो, फिर उनको बेंच कर मोटी कमाई करो। इस काम में नगर निगम विकास प्राधिकरण गृह निर्माण मंडल आदि के घोर डकैत जिलाधीश एडीएम एसडीएम तहसीलदार अधिकारी अध्यक्ष मिलकर मोटी कमाई करने के षड्यंत्रों में आपने देखा किला मैदान में पीएचई मैंकेनिकल का संभागीय कार्यालय हुआ करता था। जहां अनेकों प्रकार के वृक्ष भी लगे हुए थे उसको खाली करवा कर जमीन बेच दी गई। वही हाल मोती बंगले के सामने बना हुआ कोर्ट का होगा। नया न्यायालय पिपलियाहाना का तालाब सुखाकर बनाया जा रहा है। इन हरामखोरों की निगाहें बीच शहर में बने लोक निर्माण विभाग के दो मुख्य अभियंता कार्यालय 7 संभागीय, अधीक्षण यंत्री एक जल संसाधन विभाग का मुख्य अभियंता अधीक्षण संभागीय यंत्री कार्यालयों के साथ 20 से ज्यादा अधिकारियों वह 100 से ज्यादा कर्मचारियों के आवास बने होने के साथ नक्षत्र वाटिका बड़ा बगीचा बना हुआ है जहां सैकड़ो पेड़ लगे हुए हैं। आपने देखा उस डकैत घोर भ्रष्ट मनीष सिंह ने शंकर लालवानी और किशोर बड़वानी के साथ मिलकर 7000 करोड़ काजो गुटखा बचा उसमें लगभग 2000 करोड़ की कमाई की क्योंकि बेचे गए गुटके की कीमतमात्र 200 करोड़ से ज्यादा नहीं थी। उसने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता के लगभग 5 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैले हुएबंगले कोहड़प करशंकर लालवानी कोआवंटित करवा दिया कोण का बंगला पिछले 20 सालों से रमेश मंडोला एंड कंपनी के पास है कुछ बंगलो को न्यायिक अधिकारियों को एडीएम एसडीएम को सौंप दिया गया। अब रोड के उसे पर का लगभग 10000 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जो पूर्व में एल आइजी चौराहे से जिस पर 1965-70 में पट्टे पर लेकर कालोनी काटी गई पूरा साकेत खड़ा किया गया पलासिया चौराहे के थाने से लेकर लोक निर्माण विभाग से लेकर भंवर तक रिंग रोड तक फैली हुई थी। जिसमें अधिकांश सरकारी कार्यालय रेजिडेंसी के बंगले रेडियो कॉलोनी आदि बचे हुए हैं किस प्रकार से षड्यंत्रकारी तरीके से सारी हरियाली खत्म कर व्यवसायीकरण कर दिया गया। नौलखा पर 9 लाख पेड़ पलाश के लगे हुए थे। कान्हा सरस्वती खान नदियों के कैचमेंट व उसमें मिलने वाले नालों पर शहर का 30ञ हिस्सा अन्य कॉलोनी भू माफिया जिले के कलेक्टरों कमिश्नर नेताओं की जालसाजीयों हेरा फेरी से बसा हुआ है। रालामंडल रेवती रेंज की पहाडियां, उज्जैन धार नेमावर देवास महू मानपुर मार्गों पर पहाड़ियां घने वृक्षों की हरियाली से आच्छादित थीं।? जिसे ये घोर डकैत पटवारियों, एडीएम, एसडीम कलेक्टर खनिज अधिकारियों निरीक्षकों के साथ मिलकर खनन भू कालोनी माफियाओं भेढ़िया झुंड पार्टी के शुक्ला बंधुओं व अन्य सैकड़ो नेताओं कांग्रेस के महेश जोशी व अन्य नेताओं ने अपने लालच के चलते शहर की प्राकृतिक हरियाली नदियों तालाबों को नष्ट कर दिया। और अब हरामखोर जलसा डकैत 51 लाख पेड़ लगाने का नाटक कर जनता को परेशान कर रहे हैं। दूसरी तरफ वही मोदी जो एक पेड़ मां के नाम पांच करोड़ लगाने की बात कर रहा है करोड़ों पेड़ अपने पूंजीपति मित्रों के लिए जम्मू कश्मीर में पर्यावरणीय चिंताओं को त्याग बड़े-बड़े बांध बना विद्युत के प्रोजेक्ट के अंतर्गत नदियों के बहाव जल संग्रहण ग्लेशियर आदि को नष्ट कर वहां फैली प्राकृतिक जड़ी बूटियां के करोड़ों पेड़ कटवा डालें। जिससे भारी भूस्खलन हो रहा है। जनधन से बनाई हुई अरबो रुपए की सके बर्बाद हो रही है केदारनाथ बद्रीनाथ मंदिर को क्षति पहुंचाने में भी इन हरामखोरों को कोई शर्म नहीं आ रही। वही हाल छत्तीसगढ़ में अदानी की कोल माइंस के लिए हजारों हेक्टेयर के करोड़ों पेड़ वाले हसदेव के जंगल साफ करवा दिए मणिपुर में भी वहां पर बहुमूल्य खनिज निकालने के लिए जानबूझकर में तैई कुकीयों में संघर्ष करवाने उस संघर्ष को रोकने की अपेक्षा आग में घी झोंकने का कार्य स्वयं मोदी और अमित शाह कर रहे हैं। इसीलिए वे दोनों चांडाल संघर्ष को रोकने मणिपुर का दौरा नहीं कर रहे। ताकि वे नष्ट हो जाए और वहां के सारे जंगलों को साफ कर आसानी से अडानी अंबानी खुदाई कर कीमती खनिज निकल सकें। यही हाल छतरपुर पन्ना के जंगलों को साफ करवा कर बिरला को हीरे की खदानें सोपी जा रही है।

ठेले पग मार्गों के छोटे विक्रेताओं की व्यवस्था करें निगम

पेज 8 का शेष

सबको उजाड़ दिया जाता है। और इस प्रकार 40 करोड लोगों को बेरोजगार कर दिया। आखिर शहरों के हरनीत नियोजन और पुनर्विस्थापन में फुटपाथ 10 मीटर चौड़े क्यों नहीं बनाए जाते ताकि पर्याप्त पार्किंग के साथ पिछले 10 फीट परयह हमारे साथ पैदा हुए मेहनतकाश पगमार्गों और खेलों पर अपना व्यवसाय करने वालों के लिए पर्याप्त जगह मिले सड़के भी ना रुके पर्याप्त पार्किंग भी हो। फिर एक तरफ बेरोजगार करो दूसरी तरफ जब रोजगार मांगे तो उन पर लठ्ठ बरसाओ। यह कैसी सरकार कैसा प्रशासन है। हाल ही में जीएसटी केआंकड़े जारी हुए।

जिसमें लगभग सरकार 5 से 7000 करोड रु प्रतिदिन वसूली कर रही है जिसमें 33% निर्धन श्रेणी के, मध्यमवर्गीय 64% वह मात्र 3% उच्च वर्गीय जीएसटी कर दाता जागने से लेकर सोने तक कर चुका रहा है।

इसके बाद भी बदतमीजी यह है कि पूरे देश में 10 करोड़ से ज्यादा कारें हैं मात्र 2% लोग आय कर चुकाते हैं।

बदले में उस निर्धन और मध्यम वर्गीय को शिक्षा स्वास्थ्य सड़कें बिजली पानी तक तो मुफ्त दे नहीं पा रही। सरकार सुविधायें तो दूर नगर निगम पालिकाएं प्रशासन सबकी मोटी कीमत इस निम्न और मध्यम वर्गी से वसूल कर रही है पर वह भी साफ पानी की अपेक्षा गंदगी युक्त स्वास्थ्य के नाम परचारों तरफ लूट का तांडवशिक्षा के नाम परसरकारी स्कूलों की सुविधा सरकारी अधिकारी कर्मचारी नेता डकार जाते हैं और अपने प्राइवेट स्कूल चलाने के लिएजानबूझकर सरकारी स्कूलों को बर्बाद किया जाता है और उनके निजी स्कूलों चिकित्सालय में चारों तरफ लूट का तांडव है।

भेडियों के सत्ता संभालने के बाद सुविधाओं के नाम पर 50 से 80% कमीशन खाने के लिए विद्यालयों, अस्पतालों में सड़कों पर जनता जान गंवा कर कीमत चुका रही है।

फिर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि देश की 90% जनता जो कमाई करती हैवह खाने-पीने और जीवन यापन में खर्च करती है उस पर भी सरकार मोटा कर वसूलती मोटी आय करती है। और जो बचत करती है वह बैंकों में रखती है।

उस बचत का उपयोग भी सरकार की पूंजी पति ही कर रहे हैं।

सबसे ज्यादा कर चुकाने वालों के लिए हर सड़क के पगमार्गों पर सुबह 7 से 10 और रात्रि 7 से 10 बड़े शहरों की तरह छोटे व्यापारियों को अपना व्यवसाय करने की छूट मिलेगी तो वह जो अपने छोटे से पूंजी निवेश व मेहनत से कमाई कर सम्मान के साथ जीवन यापन करेंगे। रोजगार बढ़ेगा तो सरकार की कमाई भी बढ़ेगी पूंजीपति अडानी अंबानी कुछ जीएसटी से छूट है टाटा बिरला अमेजॉन आईटीसी युनिलीवर मोटा पैसा प्रधानमंत्री कार्यालय स्तर पर बांट कर उस जीएसटी में भी अत्यधिक आपवादिक किस्म के नियम कानून में उलझा कर छूट व आइटी आर रिफंड ले लेते हैं। पूरा जीएसटी नहीं चुकाते हैं सूअर के पिल्ले। जबकि छोटे व्यापारी उद्योगपति दुकानदार इस अपवादी कानून में इतनी बुरी तरह से उलझ दिए गए हैं कि वह सारा ईमानदारी से टैक्स भरें तो भी कभी ब्याज की, कभी समय बाधित होने, रिटर्न भरने की पेनाल्टी चुकाने के बाद में भीबेचारे हमेशा अपराधी सिद्ध किए जाते हैं।

आखिर सबसे ज्यादा टैक्स चुकाने वाले ही अपराधी क्यों?

इस पर भीबुद्धि सेल पत्रकारों को गहन अध्ययन करसरकार से जवाब मांग कर छोटे व्यापारियों कर्मचारी मजदूर के हितों की रक्षा करने के लिए तत्पर रहना चाहिए क्योंकि वह सब हमारे साथ पैदा हुए हैं छोटे हैं गरीब हैं मध्यम वर्गी हैं तभी वह बेचारेअपने माल की कीमत कम करने ग्राहक को खुश रखने सब का मान सम्मान उधार देने, सब की भावनाओं की, परेशानियां को समझने का भी दिल से काम कर अपनी आजीविका चलाते हैं। उनके अधिकारों की रक्षा करना भी हम पत्रकारों का ही कर्तव्य है। इसे ध्यान रखें।

विश्व को हथियार बेंच हिंसक कमाई, बन सकती है मौत का कारण

पेज 1 का शेष

जब ट्रम्प ज़मीन पर गिरे, तो एजेंटों ने कहा, 'नीचे उतर जाओ', क्योंकि गोलियों की आवाज़ से अफरा-तफरी मच गई। एक मिनट बाद, वह खून से लथपथ चेहरे के साथ बाहर आया। उसने विरोध जताते हुए हवा में अपनी मुट्ठी बांधी और 'लड़ो! लड़ो! लड़ो!' शब्द बोले, इससे पहले कि सीक्रेट सर्विस उसे एक काली एसयूवी में ले जाए।

गोली चलाने वाला कौन था?

रैली स्थल के बाहर ऊंचे स्थान से ट्रंप पर हमला करने वाले संदिग्ध शूटर को घटनास्थल पर ही मार गिराया गया। संदिग्ध की पहचान पेंसिल्वेनिया के बेथेल पार्क निवासी 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई है। कथित तौर पर कानून प्रवर्तन ने घटनास्थल से एक एआर-स्टाइल राइफल बरामद की है। एफबीआई ने कहा है कि हत्या के प्रयास में अभी तक कोई मकसद नहीं पहचाना गया है और कहा है कि जांच जारी है।

राज्य के मतदाता रिकॉर्ड के अनुसार, क्रूक्स एक पंजीकृत रिपब्लिकन थे। हालाँकि, एपी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 2021 में, जिस दिन राष्ट्रपति जो बिडेन ने पदभार संभाला था, एक प्रगतिशील राजनीतिक कार्रवाई समिति को 15 डॉलर दिए थे। रिपब्लिकन डैन म्यूसर अन्य निर्वाचित अधिकारियों और उम्मीदवारों के साथ अग्रिम पंक्ति में थे जब गोलियां चलीं। उन्होंने एपी को बताया , 'पहली गोली के बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह गोलीबारी थी।' 'यह बहुत अधिक तबाही थी, और यह एक भयानक, भयानक त्रासदी थी, एक भयानक शर्म की बात थी।'

बीवर काउंटी रिपब्लिकन पार्टी के उपाध्यक्ष रिको एल्मोर राष्ट्रपति ट्रंप के सामने विशेष अतिथियों के लिए बने सेक्शन में बैठे थे, तभी उन्हें पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दीं। 'तो, हर कोई झिझक गया - और ऐसा लगा, नहीं, ये असली शॉट हैं। इसलिए मैंने चिल्लाया, 'नीचे उतरो!'' श्री एल्मोर ने सीक्रेट सर्विस के एजेंटों को ट्रंप को मंच से उतरने में मदद करते देखा और फिर अपने बाएं से किसी को डॉक्टर को बुलाने की आवाज सुनी। उसने अपनी टाई उतारी और बैरिकेड को पार कर गया, लेकिन जब वह उस व्यक्ति के पास पहुंचा, तो श्री एल्मोर ने देखा कि उसके सिर में गोली लगी थी। श्री एल्मोर ने कहा कि उसने पीड़ित का सिर पकड़ा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। 'मेरा मतलब है, यह एक भयावह घटना थी,' श्री एल्मोर ने कहा।

स्टेट रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य चेट जैक और उनकी पत्नी बेथ ट्रम्प के सामने ब्लीचर्स में बैठे थे, जब उन्होंने गोलियों की आवाज़ सुनी। गोलियों की आवाज़ और फिर दूसरी बार गोलियों की आवाज़ सुनने के बाद बेथ झुक गई। सुश्री बेथ ने कहा, 'मैं समझ नहीं पाई कि राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ क्या हुआ, क्योंकि जैसे ही मैंने गोली की आवाज़ सुनी, मैंने चिल्लाकर कहा, 'सब लोग नीचे उतर जाओ!'' सुश्री बेथ ने कहा। जबकि सुश्री बेथ छिपने के लिए झुकी, श्री जैक ने कहा कि वह खड़े रहे। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि गोलियाँ ऊपर से आ रही थीं, और झुकने से उनकी सुरक्षा नहीं होगी।

बीवर काउंटी रिपब्लिकन पार्टी के उपाध्यक्ष रिको एल्मोर राष्ट्रपति ट्रंप के सामने विशेष अतिथियों के लिए बने सेक्शन में बैठे थे, तभी उन्हें पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दीं। 'तो, हर कोई झिझक गया - और ऐसा लगा, नहीं, ये असली शॉट हैं। इसलिए मैंने चिल्लाया, 'नीचे उतरो!'' श्री एल्मोर ने सीक्रेट सर्विस के एजेंटों को ट्रंप को मंच से उतरने में मदद करते देखा और फिर अपने बाएं से किसी को डॉक्टर को बुलाने की आवाज सुनी। उसने अपनी टाई उतारी और बैरिकेड को पार कर गया, लेकिन जब वह उस व्यक्ति के पास पहुंचा, तो श्री एल्मोर ने देखा कि उसके सिर में गोली लगी थी। श्री एल्मोर ने कहा कि उसने पीड़ित का सिर पकड़ा लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। 'मेरा मतलब है, यह एक भयावह घटना थी,' श्री एल्मोर ने कहा।

स्टेट रिपब्लिकन पार्टी के सदस्य चेट जैक और उनकी पत्नी बेथ ट्रम्प के सामने ब्लीचर्स में बैठे थे, जब उन्होंने गोलियों की आवाज़ सुनी। गोलियों की आवाज़ और फिर दूसरी बार गोलियों की आवाज़ सुनने के बाद बेथ झुक गई। सुश्री बेथ ने कहा, 'मैं समझ नहीं पाई कि राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ क्या हुआ, क्योंकि जैसे ही मैंने गोली की आवाज़ सुनी, मैंने चिल्लाकर कहा, 'सब लोग नीचे उतर जाओ!'' सुश्री बेथ ने कहा। जबकि सुश्री बेथ छिपने के लिए झुकी, श्री जैक ने कहा कि वह खड़े रहे। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि गोलियाँ ऊपर से आ रही थीं, और झुकने से उनकी सुरक्षा नहीं होगी।

क्या ट्रम्प सुरक्षित हैं?

घटना के बाद, ट्रम्प अपने निजी गोल्ड क्लब में रात बिताने के लिए न्यू जर्सी चले गए। उन्होंने अपनी ट्रुथ सोशल साइट पर लिखा कि उन्हें, 'तुरंत पता चल गया कि कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैंने एक तेज़ आवाज़, गोली की आवाज़ सुनी, और तुरंत महसूस किया कि गोली त्वचा को चीरती हुई निकल रही है। बहुत ज़्यादा खून बह रहा था, इसलिए मुझे तब एहसास हुआ कि क्या हो रहा है...' उन्होंने सीक्रेट सर्विस और लॉ एंडोर्समेंट को उनकी 'त्वरित प्रतिक्रिया' के लिए धन्यवाद दिया।

ट्रम्प ने रैली में मारे गए व्यक्ति के परिवार के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'यह अविश्वसनीय है कि हमारे देश में ऐसी घटना हो सकती है। इस समय शूटर के बारे में कुछ भी पता नहीं है, जो अब मर चुका है।'

ट्रम्प के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर ने कहा कि उनके पिता 'बहुत खुश हैं।' ट्रम्प जूनियर ने एक बयान में कहा, 'चाहे कट्टरपंथी वामपंथी उन पर कुछ भी क्यों न फेंकें, वे अमेरिका को बचाने के लिए लड़ना कभी बंद नहीं करेंगे।'

बिडेन ने क्या कहा?

इस बीच, राष्ट्रपति जो बिडेन ट्रम्प की रैली में हुए हमले के बाद तय समय से पहले ही डेलावेयर से वाशिंगटन लौट आए। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति बिडेन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी बात की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, 'मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि डट्रम्प. सुरक्षित हैं और उनका स्वास्थ्य अच्छा है। मैं उनके और उनके परिवार के लिए और रैली में मौजूद सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहा हूँ, क्योंकि हम आगे की जानकारी का इंतज़ार कर रहे हैं... अमेरिका में इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।'

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि उन्हें 'इस बात से राहत मिली है कि वह ट्रम्प. गंभीर रूप से घायल नहीं हुए हैं।' उन्होंने एक बयान में कहा, 'हम उनके, उनके परिवार और उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो इस मूर्खतापूर्ण गोलीबारी से घायल हुए हैं और प्रभावित हुए हैं।'

'इस तरह की हिंसा के लिए हमारे देश में कोई जगह नहीं है। हम सभी को इस घृणित कृत्य की निंदा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी भूमिका निभानी चाहिए कि इससे और अधिक हिंसा न हो।'

दुनिया क्या कह रही है?

इस घातक घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया, और नेताओं ने एकजुट होकर इस हमले की निंदा की और राजनीतिक हिंसा की निंदा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह अपने दोस्त पर हुए हमले से 'बहुत चिंतित' हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।

उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ... हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ मृतकों के परिवार, घायलों और अमेरिकी लोगों के साथ हैं।' कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि वे गोलीबारी से 'घृणास्पद' हैं, जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के कार्यालय के प्रवक्ता ने सभी प्रकार की राजनीतिक हिंसा की निंदा की। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने इस घटना को 'चिंताजनक और चुनौतीपूर्ण' बताया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे स्तब्ध हैं। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी के जॉर्डन बार्डेला ने कहा कि 'हिंसा किसी भी लोकतंत्र के लिए जहर है।'

इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि वह पेंसिल्वेनिया से आ रही खबरों पर 'आशंका के साथ' नजर रख रही हैं और उन्होंने ट्रम्प के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दूसरी तरफ अमेरिकी षड्यंत्रकारी संगठन जो दुनिया परअपनी दादागिरी दिखानेवसूली करने वहां की सरकारों को खरीद करअपने कानून लागू करने, कृषि, चिकित्सा, खाद्य, वैद्युतकीय माल बेंचने का षड्यंत्र का मोटी कमाई करती हैं. बेशक भारत वह विश्व के अन्य देशों की जनता पर उसके ना केवल घातक असर पड़ता है। विश्व की जनता को देश के प्राकृतिक व मानव निर्मित संसाधनों पर नियंत्रण कर मोटी कमाई करने से भारी बीमारियां बेरोजगारी भुखमरी का सामना करना पड़ रहा है। उसके परिणाम तो अमेरिका की कंपनीयो जनता व सत्ताधीशों को भोगने हीं होंगे।

पूर्व के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर यह हमला अगले नवंबर 2024 मेंहोने वाले अमेरिकी चुनाव में जनता की सहानुभूति और जीत का कारण बनेगा।

मूढ, मन हल्का करने, विदेश यात्रायें देश पर भारी

पेज 8 का शेष

और भारत के हथियार खरीद के ऊपर भी उसने टिप्पणी की हैपर यह बात भारत का मीडिया नहीं दिखा रहा। अमेरिका चीन के हर क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव दखलंदाजी औरअपनी नीच प्रकृति से दूसरों को बर्बाद करने के षड्यंत्रो के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के लिए जापान व भारत का उपयोग करना चाहता है।

चीन भले ही दुनिया के रूस को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मजबूत करने के आरोपों को नकारता रहे पर सच यह भी है, की रुस को चीन ही सहयोग कर रहा है। और ऐसेयुद्ध काल मेंरूस के लिए चीन का सहयोग बहुत महत्व रखता है दूसरी तरफ रूस से भारत पेट्रोक्रूड खरीद कर उसकी आर्थिक स्थिति को न केवल मजबूत कर रहा है बल्कि युद्ध काल में भी वह उसके साथ खड़ा हुआ हैअमेरिका कोमोदी कीरूस यात्राकाफी मानसिकतकलीफ दे रही हैअमेरिका की साम्राज्यवादी नीति चाहती है की भारत जैसा सवासौ करोड़ की आबादी वाला देश, अपने ऐतिहासिक सहयोगी रूस से पेट्रोल क्रूड और हथियार न खरीदे। ताकि यूक्रेन युद्ध में उसकी हार हो जाए।

साप्ताहिक समय माया

सरकार के पास रोजगार नहीं, तो छोटे धंधे करने वालों को क्यों उजाड़ते हो

ठेले पग मार्गों के छोटे विक्रेताओं की व्यवस्था करें निगम

सफाई से 5 घंटे पहले सूचित करने लिखित खंभों पर टांगो। पहले खुद ही लगवा पुलिस निगम कर्मी वसूली करते हैं, फिर उजाड़ बेरोजगार कर परिवार भूखा मारते हैं। निगम, पुलिस कर्मी हैं या सरकारी डकैत।

गुजराती लालची मोदी के सत्ता संभालने के बाद विश्व घातक संगठन और उसकी सदस्य चंदा देने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मोटा कमीशन खा उनके सारे पर नाच उनकी मोटी कमाई के लिए सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी तालाबंदी में अपने ही देश के जिन्होंने इन भूखे भेड़ियों को उनकी वाचालता और छल कपट में आकर वोट दिए थे। लगभग1 करोड़ से ज्यादा उद्योग धंधे दुकानें उजाड़ 40 करोड़ को बेरोजगार करने के बाद मैं भी चैन नहीं मिला। देश के सरकारी संस्थानों में लगभग दो करोड़ से ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं। जिसे लगभग 10 करोड लोगों की रोजी-रोटी चल सकती है। पर जन से लूटे हुए धन को अपनी मौज मस्ती अय्याशी करने 17000 करोड़ के जहाज में उड़ान भरने, अर्थहीन 3 से 5 गुना ज्यादा की डीपीआर पर बड़े-बड़े प्रोजेक्ट बनवाकर उसमें कमीशन खाने के लिए धन की पर्याप्त व्यवस्था बनी रहे। और अपने पूंजीपति मित्रों को सस्ता श्रम मिलता रहे सरकारी विभागों में भर्तीयां नहीं की जा रही हैं। युवा वर्ग पढ़ कर रोजगार ना मांगे इसलिए समय पर परीक्षा नहीं होती मुश्किल से प्रवेश मिलता है और परीक्षाओं के समय उनके पेपर लीक आउट करवा दिए जाते हैं। ताकि युवा वर्ग आगे ना बढ़ सके। दूसरी तरफ देश की नगरों के फुटपाथों पर गलियों बाजारों सड़कों पर ठेलो व पगमार्गों पर व्यापार करने वालों को निगम पालिकायें व पुलिस कर्मी जिसे वह दोनों हाथ से वसूली करते हैं। स्वयं सड़कों फुटपाथों पर दुकान लगवा ठेले खड़े करवा अवैध किराया मांगते व वसूली करते हैं। जिसका पैसा न केवल पार्षदों से लेकर अधिकारियों सहायक उप निगमायुक्त व महापौर तक पहुंचता है। पर जब बहुराष्ट्रीय कंपनियों

के शॉपिंग मॉल का महीना मिलता है। तो उनके कहने पर छोटे दुकानदारों व्यापारियों ठेले पग मार्गो पर व्यवसाय करने वालों को उजाड़ा जाता है।

यह सभी उन्हें सबके वंशज हैं हरामखोर जैसे सैकड़ों वर्ष पूर्व में हमारे यहां मुगलों अंग्रेजों ने ऐसे ही हरामखोर मैक्रों के दम परहमारे देश में राज किया था यह उनके भूखे भेड़िए वंशज जो हैं जो बहुराष्ट्रीय कंपनी और अपनी मोटी कमाई के लिए अपने ही देश के लोगों जिनसे उन्हें कर मिलता है वोट मिलते हैं उनको ही अपनी मोटी कमाई के लिए न केवल उजाड़ा करते हैं।

वरुण उनको समझाइए देकर हटाने या परेशानी बताने उनके माल को सुरक्षित स्थानांतरित करने उनका सुरक्षा देने की अपेक्षा यह भूखे भेड़िए न केवल उनके ठेलों को पलटाते तोड़ते, सामान फेंकते हैं। वरन सामान इकट्ठे कर लूटते, बांटते, बेंचते, भर के ले जाते हैं। इन हरामखोर जालसाजों कोयह समझ में नहीं आता कि वह सामान बनाने में समय पैसा लगा था और उसमें न केवल सामान के मालिक वरण जनता और जनता के साथ देश का नुकसान भी कर रहे हैं तो आखिर ऐसे विक्रेताओं का सामान उन्हें हटाने के चार-पांच घंटे पहले सूचित कर उनका सामान सुरक्षित वापस लौटाने की व्यवस्था के लिएअभी तक कोई कानून क्यों नहीं बनाया गया आखिर वह भी हमारे साथ धरती पर जन्मे हैं। वे केवल सामान बेचकर अपना ही पेट नहीं पाल रहे बल्कि जनता की गरीब वर्ग को भी सस्ता सामान उपलब्ध करवा कर उनका पेट पालकर सरकार को अपने जीवन यापन के लिए उपभोग की वस्तुओं में सुबह से लेकर रात तक अनेकों प्रकार के कर चुकाकर सरकार चलाने में आने को प्रकार से सहयोग कर रहा हैतो आखिर उसके हितों की सुरक्षा पुलिस और नगर निगम क्यों नहीं करेगा उनके लिए स्थाई व्यवस्था हर बाजार, सड़कों के किनारों पर क्यों नहीं की जाएगी केवल अपने मतलब से सेकंड करोड़ के प्रोजेक्ट बनाकर जो व्यवस्थाएं की जाती है जब वहां ग्राहक ही नहीं पहुंचेंगेतो आखिर उन जगहों पर वह व्यवसाय करके क्या करेगा?

पृथ्वी पर हमारे साथ में हर जो मानव व अन्य सभी प्राणी जो पैदा हुए है। उसको सम्मान से कमाने खाने और अपने परिवार पालने का हक है।

हम, नेता, मंत्री, अधिकारी, कॉरपोरेट कंपनियां केवल अपना ही अपना पेट भरने पृथ्वी के संसाधनों का क्यों दुरूपयोग करेंगे और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इसारे पर नाच कर उनकी रोजी-रोटी छीनने के लिए सफाई कैशलेस जीएसटी नोटबंदी तालाबंदी, में मोदी सरकार के उसके सांसदों विधायकों पार्षदों के साथ जिलों की कलेक्टर और नगर निगम पालिकाओं के अधिकारियों कर्मचारियों व पुलिस ने जो रोज ठेले, पगमार्गों पर व्यवसाय करने वालों से मोटी वसूली करते हैं।

इसके बाद में भी यह हरामखोर नगर निगम पालिका के कर्मचारी अधिकारी जब देखो उनके ठेले पलटाना सामान फेंकना लूट के ले जाना जैसे सब इनके बाप की जागीर हो और यह इंसान नहीं यह भूखे भेड़िए हैं। कर अपनी बहादुरी का परिचय देते हैं। नामर्द, नीच जबकि वे सब पर धन खर्च करने सबको साधने के बाद में भी उनको बहुराष्ट्रीय कंपनी की शॉपिंग मॉल चलाने जहां से अधिकारियों नेताओं मंत्रियों को मोटा धन मिलता है।

(शेष पेज 7 पर)

मूढ, मन हल्का करने, विदेश यात्रायें देश पर भारी

18वीं लोकसभा के पहले सत्र में ही एक 1 जुलाई कोविपक्ष के नेता के रूप मेंराहुल गांधी नेजो जवाबभारी सदन में दिए उसकी हार और कुंठा को दूर करने मोदी ने जो विदेश यात्राएं कीं। यथार्थ मेंदेश के आर्थिक और समरी खेतों पर भारी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं पहले भी ऐसा ही हुआ जब-जब रूस की यात्राएं कीऔर वहां से वह कबाड़ा खरीद कर लाया तब अमेरिका को बुरा लगा और आमिर खान ने जबरदस्ती मोदी को अपने देश में आमंत्रित करके अपना भी विभिन्न प्रकार का कबाड़ा देश को बेचकर देश पर आर्थिक बोझ लादा था। अभी भी जब मोदी ने रूस की यात्रा की तो बिडेन ने उसके ऊपर खुली टिप्पणीयां की। खुले में धमकाया कि आखिर रुस जाकर हथियारों का कबाड़ा क्यों खरीदा जा रहा है?

रूस और ऑस्ट्रीया की यात्रा पर अजीत डोभाल और जयशंकर प्रसाद के साथ पूरा उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल भी गए थे। परंतु मूढ़ मोदी के फोटोजेनिक चेहरे व वार्ता में दोनों व अन्य के फोटो ना आ जाए। इसका विशेष ख्याल रखा गया। और किसी भी कार्यक्रम में दोनों को साथ नहीं दिखाये।

इसी प्रकार पुतिन के साथऔर वही हाल ऑस्ट्रीया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन वह चांसलर कॉर्ल नेहमर के साथ-साथ उनके विदेश मंत्री शालेन वर्ग से जयशंकर प्रसाद ने मुलाकात की पर इसके बारे में दुनिया को कोई भी प्रेस कॉन्फ्रेंस या अनेक तरीके से कोई भी वीडियो फोटो जारी नहीं होने दिए गए। यह उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल मोदी के साथ रूस भी गया था। इसके बारे में भी कोई जानकारी भारत के और दुनिया के मीडिया को हाथ लगने नहीं दी गई।

यह खबर भी विदेशी साइट पर याहू से सर्च करके प्राप्त की गई। अब गूगल भी मोदी के खिलाफ जाने वाली कोई भी बात समाचार वीडियो नहीं दिखाता।

यह समाचार ना दिखाने का गूगल का यह सिलसिला अक्टूबर नवंबर 2023 से चल रहा है।

जैसा कि मैंने लिखा था। पुतिन अगर उसकी आगबनी कर रहा हैतो वह लाखों करोड़ के पुराना कबाड़ा हथियार बेंचेगा। जिसका फायदा उसने सस्ते पेट्रो क्रूड बेंचने में भारत को दिया है।

सच तो यही भी है कि भारत में रस को जब पूरे यूरोप में अमेरिका ने व्यापार प्रतिबंध लगा दिए थे रूस पर तब भारत ने उसका पेट्रो क्रूड खरीद कर उसकी अर्थव्यवस्था को चलाने और युद्ध लड़ने में आर्थिक मजबूती दी। पर मूड मोदी इसका फायदा चीन के खिलाफ सीमा अतिक्रमण पर रोकने में नहीं कर सका। उल्टा ही उसने लाखों करोड़ का हथियारों का कबाड़ा खरीदा है। जिस पर भारत में कोई टिप्पणी नहीं हुई परंतु अमेरिका इसी कारण तिल मिलाया हुआ है। (शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों
उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों
ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी
विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के
विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व
samaymaya.com की वेबसाइट पर
समाचार, शिकायतें और विज्ञापन
(प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है
एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958